ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष- 3, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 313 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
19 मई 2026 मंगलवार

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
44.0 अधिकतम
30.0 न्यूनतम

Page-7

'युद्ध की राजनीति' कर रहे ट्रम्प क्या वाकई ईरान पर हमला कर पाएंगे?

वॉर एनालिसिस

राजेश सिरोठिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प क्या अब ईरान पर तीसरी बार बड़ा हमला करने की स्थिति में हैं, या फिर वे केवल दबाव की राजनीति तक सीमित हो चुके हैं? यही इस समय अंतरराष्ट्रीय राजनीति का सबसे बड़ा प्रश्न बन गया है। पिछले वर्ष इजराइल-ईरान टकराव के दौरान ट्रम्प ने खुद को फिनिशर के रूप में प्रस्तुत करते हुए दावा किया था कि ईरान की परमाणु क्षमता लगभग समाप्त कर दी गई है। लेकिन वास्तविकता यह है कि फरवरी के अंत से शुरू हुए अमेरिका-इजराइल संयुक्त सैन्य दबाव के बावजूद ईरान न केवल खड़ा है बल्कि पहले से अधिक आक्रामक मुद्रा में दिखाई दे रहा है।

ढाई महीने से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन ट्रम्प बार-बार युद्धविराम अथवा अंतिम कार्रवाई की समयसीमा आगे बढ़ाते जा रहे हैं। कभी पाकिस्तान की मध्यस्थता का हवाला दिया जाता है, तो कभी खाड़ी देशों की अपील का। अब ताज़ा संकेत यह हैं कि 19 मई को संभावित माने जा रहे किसी बड़े सैन्य निर्णय को भी टाल दिया गया है। सवाल यह है कि आखिर ट्रम्प पीछे क्यों हट रहे हैं?

असल में व्हाइट हाउस अब यह समझ चुका है कि ईरान कोई इराक, लीबिया वेनेजुएला या अफगानिस्तान नहीं है। ईरान केवल एक देश नहीं बल्कि पश्चिम एशिया की वैचारिक और सामरिक धुरी बन चुका है। उसके पास मिसाइल क्षमता, प्रॉक्सी नेटवर्क, समुद्री अवरोध और क्षेत्रीय प्रभाव का ऐसा संयोजन है जो अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए लंबे युद्ध को बेहद महंगा बना सकता है। विशेष रूप से होर्मुज स्ट्रेट पर उसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ा खतरा है। यदि ईरान तेल आपूर्ति को बाधित करता है तो पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट खड़ा हो सकता है।

ट्रम्प की सबसे बड़ी चिंता केवल युद्ध नहीं बल्कि उसका राजनीतिक परिणाम है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव नजदीक हैं और अमेरिकी जनता पहले ही महंगाई, ईंधन संकट और टैक्स के दबाव से परेशान है। ऐसे समय लंबा युद्ध ट्रम्प की अमेरिका फर्स्ट छवि को भारी नुकसान पहुंचा सकता है। यही कारण है कि वे लगातार युद्ध और कूटनीति के बीच झूलते दिखाई दे रहे हैं। दूसरी तरफ मुस्लिम विश्व की प्रतिक्रिया भी अमेरिका के लिए चिंता का विषय बन रही है। अब तक कई अरब देश खुलकर ईरान के साथ न खड़े हुए हों, लेकिन जनमत तेजी से बदल रहा है। यदि युद्ध और लंबा खिंचता है तथा नागरिक तबाही बढ़ती है तो यह पूरा संकट अमेरिका विरोधी लहर में बदल सकता है। ट्रम्प यह जोखिम लेने से बचना चाहेंगे।

चुकानी पड़ेगी आर्थिक-सामरिक कीमत

इस युद्ध को लेकर एक और गंभीर चर्चा अमेरिकी मीडिया और राजनीतिक गलियारों में शुरू हो चुकी है। आरोप लग रहे हैं कि युद्ध की पृष्ठभूमि में रक्षा कंपनियों, ऊर्जा कारोबार और ट्रम्प परिवार से जुड़े व्यावसायिक हितों को भारी लाभ हो रहा है। सोशल मीडिया और अमेरिकी विपक्ष यह सवाल उठा रहा है कि क्या अमेरिका फर्स्ट की नीति वास्तव में फैमिली फर्स्ट में बदलती जा रही है? पहले जिन बयानों को लोग ट्रम्प की तुगलकी शैली मानते थे, अब उन्हें उनके आर्थिक हितों की रणनीति के रूप में देखा जाने लगा है। यही वजह है कि ट्रम्प की भाषा अब पहले जैसी आक्रामक दिखाई देने के बावजूद उनके कदम बेहद सावधान हो चुके हैं। वे हमला करने की धमकी देकर दबाव बनाना चाहते हैं, लेकिन पूर्ण युद्ध का जोखिम उठाने से बच रहे हैं। क्योंकि उन्हें यह एहसास हो चुका है कि ईरान को पूरी तरह झुकाना आसान नहीं और यदि युद्ध नियंत्रण से बाहर हुआ तो उसकी राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक कीमत अमेरिका को भी चुकानी पड़ेगी। संक्षेप में कहें तो ट्रम्प अभी युद्ध की राजनीति कर रहे हैं, पूर्ण युद्ध नहीं। और यही इस पूरे संकट का सबसे महत्वपूर्ण संकेत है।

ट्विशा को चाहिए न्याय... भोपाल पुलिस की जांच पर भरोसा नहीं

बिलखते पिता की गुहार...बेटी का शव खराब होने से पहले दोबारा पीएम करवा दो

पति समर्थ सिंह अभी भी फरार , पुलिस का दावा - तलाश जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पूर्व मिस पुणे, एमबीए ग्रेजुएट और तेलुगु फिल्म अभिनेत्री ट्विशा शर्मा की भोपाल में हुई संदिग्ध मौत ने सबको झकझोर दिया है। ग्लैमर वर्ल्ड से लेकर कॉरपोरेट सेक्टर में अपनी पहचान बनाने वाली ट्विशा की शादी के पांच महीने बाद ही मौत हो गई थी । ट्विशा की मौत के बाद कई दिनों तक खुले घूम रहे उसके पति समर्थ सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार नहीं किया और अब उसकी गिरफ्तारी के लिए इनाम घोषित कर दिया है। ट्विशा के पिता नवनिधि शर्मा लगातार विनती कर रहे हैं कि उनकी बेटी का शव डिकम्पोज होने से पहले उसका दिल्ली एम्स में दोबारा पोस्टमार्टम कराया जाए, लेकिन अभी तक इस पर कोई फैसला नहीं हो पाया है। उनका कहना है कि ट्विशा की सास पूर्व जज गिरिबाला सिंह के प्रभाव के चलते यहां न तो पोस्टमार्टम ठीक ढंग से हुआ और न ही निष्पक्ष जांच हो सकेगी। गिरिबाला सिंह को पहले ही अग्रिम जमानत मिल चुकी है।

इस मामले में पुलिस की करवाई पहले से ही संदेह के दायरे में रही है। समर्थ की जमानत को नकारते हुए कोर्ट ने मोबाइल फोन में मिली चैट को भी आधार बनाया है। इसमें साफ दिख रहा है कि उसे ससुराल में प्रताड़ित किया जा रहा था। सवाल यह है कि जब यह चैट पहले से मौजूद थी तो इसे पहले कोर्ट में क्यों नहीं पेश किया गया। पुलिस खुद ही चाहती थी कि पूर्व जज रही सास को अग्रिम जमानत मिल जाए।

उधर, पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के हवाले से ट्विशा की सास के उस दावे को ख़ारिज कर दिया है कि वह ड्रग्स का सेवन करती थी। एसआईटी प्रमुख डॉ. रजनीश कश्यप ने स्पष्ट किया है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ड्रग्स सेवन की पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि फरार आरोपी समर्थ सिंह की तलाश में कई टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। पोस्टमार्टम के दौरान फंदे में इस्तेमाल बेल्ट डॉक्टरों को समय पर उपलब्ध नहीं कराई गई थी। इस पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

कोई सुनवाई नहीं हो रही

ट्विशा शर्मा के परिजनों ने सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की है लेकिन उनका कहना है कि इस पर अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। बाद में अगर किसी निष्पक्ष एजेंसी से जांच का आदेश होता भी है तो सबूतों से छेड़छाड़ की आशंका बनी रहेगी। उनका आरोप है कि मामले को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। हालांकि एएसपी डॉ. कश्यप ने कहा कि पुलिस किसी भी प्रकार के दबाव में नहीं है और पूरी जांच निष्पक्ष और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर की जा रही है।

योग और विपश्यना से जुड़ाव

ट्विशा की शख्सियत का एक पहलू सामने आया है। उनका शांत और आध्यात्मिक स्वभाव भी था। वे एक प्रमाणित योग ट्रेनर थीं और नियमित रूप से प्राचीन ध्यान पद्धति विपश्यना का अभ्यास करती थीं। वे अपनी सहेलियों के बीच हमेशा खुद को ग्रूम करने और लाइफ में कुछ न कुछ नया सीखने के लिए जानी जाती थीं। साल 2024 में एक डेटिंग ऐप के जरिए उनकी मुलाकात भोपाल के वकील सामर्थ्य सिंह से हुई, जिसके बाद दिसंबर 2025 में दोनों ने शादी कर ली।

बेटी ही तो थी, किसी की भी हो सकती है... बस न्याय ही तो चाहती है... मौत के बाद

ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत केवल एक परिवार की व्यक्तिगत त्रासदी नहीं है, बल्कि यह उस व्यवस्था का भयावह चेहरा भी उजागर करती है जिसमें न्याय का पलड़ा अक्सर ताकत, पद और प्रभाव के सामने कमजोर पड़ जाता है। भोपाल में हुई इस घटना ने समाज को इसलिए झकझोर दिया है क्योंकि इसमें सिर्फ एक युवती की मौत का सवाल नहीं है, बल्कि उस भरोसे का भी है जो आम नागरिक न्यायपालिका, पुलिस और प्रशासन पर करता है। जब मृतका के माता-पिता दिल्ली से आकर न्याय की गुहार लगाते हुए दर-दर भटकते दिखाई देते हैं, तब यह सवाल और तीखा हो जाता है कि आखिर आम आदमी इस व्यवस्था में किसके पास जाए? मुख्यमंत्री से मिलने जाते हैं तो कहा जाता है कि आवेदन लिखकर दे दो। कोई बताए बेटी की मौत पर लुटे-पिटे, अपनी दुनिया लुटा चुके माता पिता भला क्या आवेदन दें। सब कुछ तो सामने है, जो खुली आँखों से दिखाई दे रहा है। हम नहीं कह रहे कि कोई दोषी है या निर्दोष। कम से कम, जिन्होंने बेटी खोई है उनकी निष्पक्ष जांच की मांग तो मान लीजिये। संदिग्ध मृत्यु के मामले में निष्पक्ष जांच पहली आवश्यकता होती है। लेकिन, जब आरोपित पक्ष रसूखदार हो, परिवार में पूर्व न्यायाधीश जैसी प्रभावशाली हस्ती हो, और शुरुआती दौर में ही अग्रिम जमानत मिल जाए, तब स्वाभाविक रूप से संदेह पैदा होता है। कानून यह कहता है कि हर व्यक्ति तब तक निर्दोष है जब तक अपराध सिद्ध न हो जाए, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि होता हुआ दिखना भी चाहिए। यदि पीड़ित परिवार को शुरुआत से ही यह महसूस होने लगे कि जांच प्रभावित हो सकती है, तो यह लोकतंत्र और न्याय प्रणाली दोनों के लिए खतरनाक संकेत है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि हमारे देश में प्रभावशाली लोगों से जुड़े मामलों में जांच एजेंसियों की निष्पक्षता बार-बार सवालों के घेरे में आती रही है। कई मामलों में देखा गया है कि सबूतों के साथ छेड़छाड़, जांच में देरी, गवाहों पर दबाव और कानूनी प्रक्रियाओं का दुरुपयोग न्याय की राह को कठिन बना देता है। यही कारण है कि ट्विशा के माता-पिता दोबारा पोस्टमार्टम और सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग कर रहे हैं। यह मांग केवल भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि व्यवस्था पर घटते विश्वास का प्रतीक है। यदि आरोपी प्रभावशाली है तो कानून नरम दिखाई देता है, जबकि साधारण व्यक्ति वर्षों तक अदालतों के चक्कर काटता रहता है। यही असमानता जनता के भीतर व्यवस्था के प्रति गहरा असंतोष पैदा करती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि जांच एजेंसियां पूरी पारदर्शिता और स्वतंत्रता के साथ काम करें। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक साक्ष्य और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड जैसे सभी तथ्यों की वैज्ञानिक जांच होनी चाहिए। यदि जरूरत पड़े तो जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी को सौंपी जाए ताकि निष्पक्षता पर कोई सवाल न उठे। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग को भी संवेदनशीलता से देखा जाना चाहिए, क्योंकि कई बार न्यायपालिका की प्रत्यक्ष निगरानी ही जनता का विश्वास बहाल कर सकती है। ट्विशा अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनकी मौत ने समाज के सामने एक बड़ा प्रश्न छोड़ दिया है। क्या हमारे यहाँ न्याय वास्तव में सबके लिए समान है? हमारा सिस्टम इस प्रश्न का उत्तर ईमानदारी और पारदर्शिता से दे पाएगा, इसकी उम्मीद करना बेमानी है।

तीन दिन पहले बढ़े थे दाम

पेट्रोल-डीजल में 90 पैसे और बढ़े

नईदिल्ली, एजेंसी

देश में पेट्रोल और डीजल आज से औसतन 90 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया है। अब भोपाल में एक लीटर पेट्रोल 110.75 रुपए और डीजल 95.91 रुपए का हो गया है। इससे पहले 15 मई को ही पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 3-3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। यानी, पांच दिन के भीतर ईंधन के दामों में यह दूसरी बढ़ोतरी है।

वोटर लिस्ट से नाम कटा अब देश छोड़ना होगा : शुभेंदु

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि चुनावी सूचियों से नाम हटाने का काम पहले ही हो चुका है। अब जल्द ही उनको देश से भी निकाला जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने जनगणना की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसको तृणमूल सरकार ने लटका कर रखा था।

राजस्थान-लखनऊ, समय : शाम 7.30 बजे

न्यूज विंडो

भोपाल में पारा 44 ° के पार अगले 3 दिन भीषण गर्मी

भोपाल। मध्य प्रदेश में जैसे आग बरस रही है। पूरा प्रदेश भट्टी की तरह तप रहा है। राजधानी भोपाल में पारा 44 डिग्री के पार पहुंच गया है। छतरपुर के खजुराहो में पारा रिकॉर्ड 46.8 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जबकि नौगांव में 46 डिग्री रहा। प्रदेश के 22 शहर ऐसे रहे, जहां सीजन में पहली बार अधिकतम तापमान 44 डिग्री या इससे अधिक रहा। भोपाल में तापमान 44 डिग्री रहा। इससे यहां सड़कें पिघल गईं। मौसम विभाग के अनुसार, इस सीजन में मई में पहली बार पूरा मप्र तपा। खजुराहो में इतिहास का दूसरा सबसे गर्म दिन रहा। इससे पहले 29 अप्रैल 1993 को पारा 46.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

आज का कार्टून

ट्रम्प - नेतन्याहू की हत्या करने वाले को 500 करोड़ देगा ईरान, संसद में बिल लाने की तैयारी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

ईरान की संसद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की हत्या करने वालों को 500 करोड़ रुपए से ज्यादा इनाम देने वाला बिल ला सकती है।

द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी संसद का राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग इस बिल की तैयारी कर रहा है। आयोग के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने कहा कि 'इस्लामिक रिपब्लिक की सैन्य और सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई' नाम से बिल तैयार किया जा रहा है। ईरानी सांसद महमूद नबावियन ने कहा कि संसद जल्द इस बिल पर वोटिंग कर सकती है, जो ट्रम्प और नेतन्याहू को जहन्नुम पहुंचाने वालों को इनाम देगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई समेत कई सैन्य और राजनीतिक नेताओं की मौत के बाद यह कदम उठाया जा रहा है। इस बीच ट्रम्प ने कहा है कि उन्होंने ईरान पर आज होने वाला हमला फिलहाल टाल दिया है। ट्रम्प ने कहा कि कतर, सऊदी अरब और यूएई जैसे गल्फ देशों के नेताओं ने बातचीत को मौका देने के लिए कुछ दिन का समय मांगा था।

'खतरनाक कुत्तों को मौत का इंजेक्शन दें'

जो अफसर निर्देश न माने, उस पर अवमानना का केस चले: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने आज आवारा कुत्तों से जुड़े मामले में सभी याचिकाएं खारिज कर दीं। पिटीशंस में कहा गया था कि अस्पतालों, बस स्टैंड, स्कूल आदि जैसे सार्वजनिक स्थानों से पकड़े गए कुत्तों को नसबंदी (वैक्सीनेशन) के बाद उसी जगह न छोड़ा जाए। रेबीज से संक्रमित या बेहद खतरनाक कुत्तों के मामले में, कानून के तहत जरूरत पड़ने पर यूथेनेशिया (दया मृत्यु) जैसे कदम उठाए जा सकते हैं ताकि लोगों की जान सुरक्षित रहे।

जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच मामले की सुनवाई कर रही है। कोर्ट ने कहा कि नुकसान को सिर्फ आंकड़ों में नहीं मापा जा सकता। 22 अगस्त और 7 नवंबर को जारी किए गए निर्देशों के बावजूद रिकॉर्ड पर मौजूद दस्तावेजों से यह स्पष्ट नहीं होता कि वे निर्देश जमीनी स्तर तक पूरी तरह से पहुंच पाए हैं।

कोर्ट ने ये भी कहा कि अकेले राजस्थान के श्रीगंगानगर शहर में ही एक महीने के भीतर कुत्तों के काटने की 1084 घटनाएं सामने आईं। रिपोर्ट्स के अनुसार, छोटे बच्चों को गंभीर चोटें आईं, जिनमें उनके चेहरों पर गहरे घाव होना भी शामिल है।

मेट्रो एंकर | तुषार एल्स्ट्री और बोरहमवुड टाउन काउंसिल के सबसे कम उम्र के प्रथम नागरिक

टूटे रिकॉर्ड, हरियाणा का 23 साल का छोरा ब्रिटेन में मेयर

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत के लोग दुनिया में जहां कहीं भी जाते हैं, अपनी सफलता का परचम लहरा ही देते हैं। इसकी एक बानगी ब्रिटेन में भी देखने को मिली, जहां हरियाणा के 23 साल के युवक तुषार कुमार को ब्रिटेन में मेयर चुन लिया गया है। तुषार ने पिछले हफ्ते एल्स्ट्री और बोरहमवुड टाउन काउंसिल के मेयर के तौर पर जीत हासिल की। उन्होंने लेबर पार्टी से चुनाव लड़ा था और उन्हें 832 वोट मिले। वोटों की दोबारा काउंटिंग के बाद उन्हें विजयी घोषित किया गया। तुषार ने कंजर्वेटिव कैंडिडेट को सिर्फ एक वोट से हराया।

सबसे कम उम्र के भारतीय मूल के मेयर

इसके साथ ही तुषार ब्रिटेन के सबसे कम उम्र के भारतीय मूल के मेयर बन गए हैं। उन्होंने पिछले सभी

रिकॉर्ड तोड़ दिए। इसके पहले वह मई 2023 में ब्रिटेन के सबसे कम उम्र के भारतीय मूल के पार्षद बने थे। तब तुषार की उम्र महज 20 साल थी। उस वक्त तुषार किंग्स कॉलेज ऑफ लंदन से पढ़ाई कर रहे थे। उन्होंने राजनीति में बीएससी की पढ़ाई की है। तुषार की मां परवीन रानी ने भी हर्ट्समेरे बरो काउंसिल में चुनाव लड़ा और उन्हें भी जीत मिली। परवीन को डिप्टी मेयर चुना गया है। उनका कहना है वह इस सितंबर में UCL में पॉलिटिकल इकोनमी में मास्टर डिग्री शुरू करेंगे।

10 साल की उम्र तक रोहतक में रहे

तुषार मूल रूप से हरियाणा के रोहतक के रहने वाले हैं। वह 10 साल की उम्र तक रोहतक में ही रहे। इसके बाद वह अपने माता-पिता के साथ रोहतक से यूके चले गए। उनके माता-पिता शिक्षा के क्षेत्र में ही काम करते हैं। तुषार ने कहा कि मेरी मां ने मुझे अपनी संस्कृति और विरासत से जुड़े रहना सिखाया है। बतौर काउंसलर तुषार ने अपने क्षेत्र में दीवाली समारोह का आयोजन किया था और अब यह हर साल होने वाला कार्यक्रम बन गया है। उन्होंने कहा कि 'भारत में मेरे परिवार का राजनीति से कोई सरोकार नहीं था, क्योंकि भारत में राजनीति अलग है। यूके में ज्यादा अवसर हैं।

उज्जैन एक्सप्रेस के डिब्बे पटरी से उतरे

ऋषिकेश, एजेंसी

ऋषिकेश रेलवे स्टेशन के पास खंड गांव इलाके में एक हादसा हो गया। दरअसल, यहां उज्जैन एक्सप्रेस के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए।गनीमत रही कि दुर्घटना के समय ट्रेन में कोई भी यात्री सवार नहीं था। बता दें कि बीते दिनों लगातार ट्रेन हादसों के मामले सामने आ रहे हैं। सोमवार को सासाराम में एक ट्रेन में आग लगी और इससे पहले एमपी में राजधानी एक्सप्रेस में आग लग गई थी। शुरुआती जांच में पता चला है कि नियमित रखरखाव के दौरान ट्रेन के ब्रेक फेल हो गए थे, जिससे यह हादसा हुआ। वहीं पूरी ट्रेन की आवाजाही को लेकर कई सवाल उठाए गए हैं।

काठमांडू, पशुपतिनाथ मंदिर, पोखरा, चितवन नेशनल पार्क और मनकामना मंदिर के दर्शन कराए जाएंगे

पहली 'भारत गौरव' पर्यटक ट्रेन भोपाल से नेपाल के लिए 12 जून को

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अगर आप नेपाल घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आपके लिए एक बहुत अच्छी खबर है। जी हां, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) नेपाल के लिए अपनी पहली 'भारत गौरव' पर्यटक ट्रेन शुरू करने जा रहा है। ये ट्रेन यात्रियों को पड़ोसी देश में एक खास आध्यात्मिक और दर्शनीय स्थलों की यात्रा का अनुभव देगी।

ये खास 'पशुपतिनाथ नेपाल दर्शन यात्रा' 12 जून को मध्य प्रदेश के इंदौर से रवाना होगी। जो भोपाल होते हुए भी गुजरेगी। ये भारत की सीमाओं के बाहर चलने वाली पहली 'भारत गौरव' पर्यटक ट्रेन होगी। इसे एक आम ट्रेन सेवा के बजाय एक गाइडेड टूरिज्म पैकेज के तौर पर डिजाइन किया गया है।

कितने दिनों की होगी यात्रा-नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर की यात्रा पर ले जाने वाली ये ट्रेन 9 रातों और 10 दिनों की यात्रा करेगी, जो नेपाल के कुछ सबसे लोकप्रिय आध्यात्मिक और पर्यटन स्थलों की सैर कराएगी। आईआरसीटीसी के मुताबिक, इस टूर पैकेज में मनकामना मंदिर तक रोपवे की सवारी और चितवन नेशनल पार्क के अंदर जीप सफारी भी शामिल है।

किन स्टेशनों से मिलेगी ट्रेन- इंदौर से अपनी यात्रा शुरू करने वाली ये ट्रेन उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, भोपाल, इटारसी, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी और सतना रुकते हुए जाएगी। यात्री इनमें से किसी भी स्टेशन से टिकट बुक कर अपनी यात्रा शुरू कर सकते हैं। इस डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन में कुल 14 कोच होंगे, जिनमें फर्स्ट एसी, सेकंड एसी और थर्ड एसी श्रेणी की सीटें उपलब्ध होंगी। आईआरसीटीसी ने यात्रा के दौरान खाने-पीने की सुविधा के लिए ट्रेन में दो रेस्टोरेंट कोच की भी व्यवस्था है, जहां आप अपने मनपसंद व्यंजनों का आनंद उठा सकते हैं।

जानिए कितना होगा किराया

थर्ड एसी कम्फर्ट- 62,710 रुपये प्रति व्यक्ति
सेकंड एसी डीलक्स- 76,550 रुपये प्रति व्यक्ति
फर्स्ट एसी सुपीरियर- 90,400 रुपये प्रति व्यक्ति
भारत गौरव ट्रेन में अपनी सीट बुक करने के लिए आपको आईआरसीटीसी के टूरिज्म वेबसाइट पर जाना होगा, जहां से आप ऑनलाइन टिकट बुक कर सकते हैं।

यात्रियों को मिलने वाली सुविधाएं

- ट्रेन यात्रा में थ्री स्टार होटलों में ठहरने की व्यवस्था मिलेगी।
- शाकाहारी भोजन के लिए स्थानीय दर्शनीय स्थलों की सैर और एसी बसों द्वारा आवागमन
- यात्रा बीमा टूर एस्कॉर्ट्स (गाइड) हाउसकीपिंग और सुरक्षा सेवाएं

न्यूज विंडो

यूजी और पीजी सीटों का आवटंन कल जारी होगा

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग के यूजी-पीजी कोर्सों में प्रवेश केलिए पहले राउंड की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। पहले राउंड में 15 दिनों में लगभग 2.30 लाख छात्र-छात्राओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है, जिनमें लगभग 2 लाख दस्तावेजों का सत्यापन पूरा हो चुका है। विभाग 20 मई को सीटों का आवंटन जारी करेगा। चयनित विद्यार्थी 26 मई तक फीस जमा कर अपना एडमिशन सुनिश्चित कर सकेंगे। इस बार विभाग दो ऑनलाइन काउंसलिंग राउंड और एक कॉलेज लेवल काउंसलिंग राउंड आयोजित करेगा।

बीएड और एनसीटीई के लिए पंजीकरण 30 तक

भोपाल। बीएड सहित एनसीटीई के विभिन्न कोर्सों के प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 30 मई निर्धारित की गई है। आवेदन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 6 जून को मेरिट सूची जारी की जाएगी और दस्तावेजों का सत्यापन होगा। इसके बाद 10 जून तकसीटों का आवंटन जारी किया जाएगा।

विषय बदलकर 25 जून तक कर सकेंगे आवेदन

भोपाल। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार विषय बदलकर 25 जून तक आवेदन कर सकेंगे। पसंदीदा पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा 29 जून को आयोजित की जाएगी। इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय में बौद्ध दर्शन, भारतीय दर्शन, वैदिक अध्ययन, योग विज्ञान, संस्कृत, हिंदी, अंग्रेजी, भारतीय चित्रकला और चीनी भाषा सहित विभिन्न विषय उपलब्ध है।

शहर में सीवेज समस्या से लोग परेशान

50 दिन बाद भी 110 शिकायतों का अब तक नहीं हुआ समाधान

बिल्डरों की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे रहवासी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल में सड़कों पर बहते गंदे पानी और जाम सीवेज की समस्या से शहरवासी परेशान हैं। सीएम हेल्पलाइन 181 पर लगातार सीवेज से जुड़ी शिकायतें दर्ज कराई जा रही हैं, लेकिन कई मामलों में लंबे समय बाद भी समाधान नहीं हो पा रहा है।

सीवेज से संबंधित 106 शिकायतें लंबित

अप्रैल महीने में सीएम हेल्पलाइन पर सीवेज से संबंधित 106 शिकायतें लंबित थीं। वहीं मई महीने में 16 मई तक ही सीवेज से जुड़ी शिकायतों की संख्या 400 के पार पहुंच गई है। इनमें से 110 शिकायतें एल-थ्री स्तर तक पहुंच चुकी हैं, यानी शिकायत दर्ज होने के 50 दिन से अधिक समय बीतने के बाद भी उनका निराकरण नहीं हुआ। शहर के अलग-अलग क्षेत्रों के रहवासी गंदे पानी और सीवेज की समस्या से जूझ रहे हैं। खासकर नए शहर और नई कालोनियों में स्थिति ज्यादा खराब बताई जा रही है। रहवासियों का कहना है कि बिल्डरों की लापरवाही का खामियाजा अब

उन्हें भुगतना पड़ रहा है। समस्या से परेशान होकर लोगों ने सीएम हेल्पलाइन 181 पर शिकायतें दर्ज कराई हैं।

नगर निगम का क्या कहना

नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि कई मामलों में शिकायतों का समाधान कर दिया गया है, लेकिन शिकायतकर्ता शिकायत बंद नहीं करवा रहे हैं। इसी वजह से लंबित शिकायतों की संख्या बढ़ती जा रही है।

एक मई से 16 मई तक की स्थिति के अनुसार सभी 21 जोन में एल-वन स्तर पर 334 शिकायतें दर्ज की गई हैं। वहीं एल-टू स्तर पर 39 और एल-थ्री स्तर पर 110 शिकायतें लंबित हैं। इसके पहले अप्रैल महीने में सभी 21 जोन में एल-वन पर 21, एल-टू पर नौ और एल-थ्री पर 76 शिकायतें दर्ज थीं। इन शिकायतों के निराकरण के लिए संबंधित जोन के सहायक यंत्रियों को प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

वायु प्रदूषण से निपटने रोशनपुरा चौराहा पर लगाया 'एल्गी ट्री'

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए आधुनिक तकनीक आधारित 'एल्गी ट्री' की दूसरी यूनिट को रोशनपुरा चौराहे पर स्थापित की गई।

इससे पहले इसका पहला यूनिट स्वामी विवेकानंद पार्क में लगाया गया था। यह भारत का पहला एल्गी ट्री प्रोजेक्ट माना जा रहा है, जिसने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। मशरूम वर्ल्ड ग्रुप द्वारा 50 से अधिक विशेषज्ञों की टीम ने करीब दो वर्षों के शोध के बाद इस तकनीक को विकसित किया है। एल्गी ट्री कोई पारंपरिक पेड़ नहीं, बल्कि सौर ऊर्जा से संचालित एक स्मार्ट कार्बन-कैप्चरिंग डिवाइस है, जो माइक्रोएल्गी तकनीक के माध्यम से हवा से कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित कर शुद्ध ऑक्सीजन छोड़ता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, एक एल्गी ट्री लगभग 25 वयस्क पेड़ों के बराबर कार्बन डाइऑक्साइड सोखने की क्षमता रखता है। यह प्रति वर्ष लगभग 1.5 टन कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित कर वातावरण को स्वच्छ बनाने में मदद करता है। इसमें लगे आधुनिक फिल्टर पीएम 2.5 और पीएम10 जैसे सूक्ष्म धूल कणों को भी कम करते हैं। पूरी तरह आत्मनिर्भर यह यूनिट सौर ऊर्जा से संचालित होती है और देश के नेट-जीरो लक्ष्य को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

भोजपाल प्रतिभा सम्मान समारोह एक जून को

भोपाल। भोजपाल प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन एक जून को हिंदी भवन में किया जाएगा। सम्मान के लिए आवेदन 20 मई तक आवेदन किए जा सकेंगे। एमपी बोर्ड, सीबीएसई और आईसीएसई की 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी इस सम्मान के पात्र हैं। कार्यक्रम संयोजक मुकेश गोयल और अध्यक्ष नितिन कुमार गुप्ता के अनुसार, इस का मुख्य उद्देश्य मेधावी छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ाना और उन्हें शिक्षा के प्रति सकारात्मक रूप से प्रोत्साहित करना है।

भारत भवन में बाल फिल्म समारोह का समापन

भावनाओं, दोस्ती और रिश्तों की कहानी ने दर्शकों को किया भावुक

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भारत भवन में आयोजित तीन दिवसीय बाल फिल्म समारोह का समापन सोमवार को फिल्म 'मुझसे दोस्ती करोगे' के प्रदर्शन के साथ हुआ। छवि प्रभाग, भारत भवन द्वारा आयोजित इस समारोह के अंतिम दिन बच्चों, अभिभावकों और सिने प्रेमियों की उपस्थिति रही। फिल्म ने दोस्ती, मासूमियत, सपनों और रिश्तों की भावनात्मक दुनिया को बड़े संवेदनशील अंदाज में दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया। निर्देशक गोपी देसाई द्वारा निर्देशित इस फिल्म में केवल बच्चों की कहानी भर नहीं रही, बल्कि यह बालमन की उन कोमल भावनाओं की यात्रा बनकर उभरी, जिनमें अपनापन, विश्वास, जिज्ञासा और रिश्तों की सच्चाई छिपी होती है।

फिल्म ने सहज संवादों, प्रभावशाली दृश्यों और भावपूर्ण प्रस्तुति के माध्यम से बच्चों की दुनिया को बेहद खूबसूरती से उकेरा। कई दृश्यों में बच्चों की खिलखिलाहट गूंजती रही, तो कुछ भावुक प्रसंगों ने दर्शकों को भीतर तक छू लिया। फिल्म की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सादगी और संवेदनशीलता रही। बिना किसी भव्यता के दिखावे के यह प्रस्तुति सीधे दर्शकों के मन से जुड़ती नजर आई। फिल्म ने यह संदेश भी दिया कि आधुनिक दौर की भागदौड़ के बीच बच्चों की भावनाओं को समझना और उनके साथ समय बिताना कितना जरूरी है। कहानी में दोस्ती के रिश्ते को केवल मनोरंजन के रूप में नहीं, बल्कि विश्वास और भावनात्मक सहारे के रूप में प्रस्तुत किया गया। तीन दिनों तक चले इस समारोह में बच्चों के लिए कल्पना, रोमांच, पौराणिक कथाओं और सामाजिक संवेदनाओं से जुड़ी फिल्मों का प्रदर्शन किया गया।

21 को होगा नाटक 'खाला कमाल की' का मंचन

भोपाल। रविंद्र भवन में वीमेन एजुकेशन एंपावरमेंट सोसायटी की ओर से 21 मई को सामाजिक नाटक 'खाला कमाल की' का मंचन किया जाएगा। इसकी प्रस्तुति अदाकार ग्रुप द्वारा की जाएगी। आयोजन बेगम्स ऑफ भोपाल क्लब के सहयोग से होगा। यह प्रस्तुति भोपाल गैस त्रासदी से प्रभावित परिवारों की उन महिलाओं को समर्पित है, जो जरी-जरदोजी कला के माध्यम से आजीविका चला रही हैं। आयोजन का उद्देश्य महिलाओं की पारंपरिक कला को प्रोत्साहन देने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर और सामाजिक रूप से सशक्त बनाना है। वीज की अध्यक्ष रख़शां शमीम जाहिद ने बताया कि नाटक हास्य, संवेदना और भावनाओं से सजी ऐसी प्रस्तुति है, जो मनोरंजन के साथ समाज को एक सकारात्मक संदेश देती है। इसमें मुख्य भूमिका दुबई के रंगकर्मी स्वास्तिका चक्रवर्ती निभाएंगी। नाटक का निर्देशन फरुख शेर खान ने किया है, जबकि रचना रफी शब्बीर ने की। नाट्य प्रस्तुति शाम 5 बजे शुरू होगी।

टीआईटी एंड साइंस में आईडियाथॉन का आयोजन

छात्रों ने प्रस्तुत किए अभिनव व रचनात्मक विचार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

टेक्नोक्रेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (टीआईटी एंड साइंस) द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर आईडियाथॉन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम 'समावेशी विकास हेतु जिम्मेदार नवाचार' रही। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपने नवाचारी विचारों, रचनात्मकता एवं समस्या-समाधान कौशल को प्रदर्शित करने हेतु प्रेरित करना था।

टीआईटी समूह की अध्यक्ष साधना करसोलिया ने अपने उद्बोधन में आशा व्यक्त की कि इंजीनियरिंग स्नातक विद्यार्थी देश के समग्र विकास एवं प्रगति में सक्रिय भूमिका निभाते हुए नवाचार के माध्यम से समाज को नई दिशा देंगे। कार्यक्रम के प्रारंभिक

चरण में कुल 170 टीमों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से श्रेष्ठ 30 टीमों का चयन अंतिम चरण के लिए किया गया। अंतिम चरण में प्रतिभागियों ने विभिन्न सामाजिक एवं तकनीकी समस्याओं के समाधान हेतु अपने अभिनव एवं व्यावहारिक विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. रवि भारद्वाज, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष (आर एंड डी, प्लानिंग एंड मॉनिटरिंग), एमपीसीएसटी रहे। कार्यक्रम में प्रो. एसके जैन, डायरेक्टर, टीआईटी एंड साइंस की उपस्थिति भी रही। आईडियाथॉन की संकल्पना एवं सफल आयोजन डॉ. तृप्ति कौशल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली शीर्ष तीन टीमों को आकर्षक नकद पुरस्कार, ट्रॉफी एवं गुडीज़ प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त शीर्ष 10 टीमों को विशेष उपहार एवं गुडीज़ प्रदान किए गए, जबकि अंतिम चरण में चयनित सभी 30 टीमों को सहभागिता प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मेट्रो एंकर पर्यटन, संस्कृति और विरासत संरक्षण के लिए एक्टिविटी की जाएगी, हेरिटेज वॉक करेंगे

भोज महोत्सव, फूड फेस्टिवल से होगी भोपाल की ब्रांडिंग

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोज महोत्सव, फूड फेस्टिवल से अब भोपाल की ब्रांडिंग की जाएगी। साथ ही पर्यटन, संस्कृति और विरासत संरक्षण के लिए एक्टिविटी भी की जाएगी। अगले कुछ महीनों में होने वाली एक्टिविटी के लिए जिला पुरातत्त्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद ने प्लान भी तैयार कर लिया है।

इससे पहले कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में डीएटीसीसी की बैठक भी हुई। जिसमें जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने, ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण तथा स्थानीय संस्कृति के संवर्धन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में वायब्रेंट भोपाल की अवधारणा के अंतर्गत भोज महोत्सव, फूड फेस्टिवल, म्यूजिक फेस्टिवल और अन्य सांस्कृतिक आयोजन के माध्यम से भोपाल की ब्रांडिंग करने पर जोर दिया गया। साथ ही भोपाल की प्राकृतिक सुंदरता, झीलों, ऐतिहासिक स्मारकों और पर्यटन स्थलों की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी प्रतियोगिताएं आयोजित करने एवं नागरिक सहभागिता के माध्यम से पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने पर सहमति बनी। कलेक्टर मिश्रा ने DATCC की वेबसाइट, बुकलेट एवं लोगो तैयार करने के लिए ऑनलाइन प्रतियोगिता आयोजित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा आर्ट एंड ड्राइंग, फोटोग्राफी, रील मेकिंग, शॉर्ट मूवी एवं लोगो डिजाइन प्रतियोगिताएं आयोजित करने पर भी सहमति बनी।

ये भी करेंगे : बैठक में भोपाल की सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने, हेरिटेज वॉक शुरू करने, स्थानीय गाइड व्यवस्था विकसित करने तथा पर्यटन स्थलों पर पेयजल, प्रकाश एवं प्रसाधन जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने की दिशा में कार्ययोजना तैयार करने पर चर्चा की गई। कहा गया कि होमस्टे योजनाओं एवं स्थानीय टूरिस्ट सर्किट विकसित कर पर्यटन आधारित रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएं। भोपाल जिले में पर्यटन की अपार संभावनाओं को देखते हुए पीपीपी मॉडल पर टूर पैकेज तैयार करने की आवश्यकता बताई गई।

ये समितियां करेगी काम: बैठक में संस्कृति विभाग, पर्यटन विभाग एवं पुरातत्व विभाग द्वारा संचालित गतिविधियों को जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के माध्यम से समन्वित रूप से संचालित करने पर सहमति बनी। मीटिंग में स्मार्ट सिटी सीईओ अंजू अरुण कुमार, जिला पंचायत सीईओ ईला तिवारी, समिति के संदीप श्रीवास्तव समेत कई सदस्य मौजूद थे।

अग्नि ब्रह्म पुराण कथा का जल कलश यात्रा के साथ शुभारंभ

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दुर्गा धाम शक्तिपीठ मंदिर में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर अग्नि व ब्रह्म पुराण का आयोजन किया जा रहा है। इसका शुभारंभ महिलाओं के मंडल ने कलश यात्रा के साथ शुरू किया।

ये कथा 28 मई तक चलेगी। कलश यात्रा में दुर्गा धाम शक्तिपीठ मंदिर से 151 महिलाएं शामिल हुई। वृंदावन धाम से पधारे राष्ट्रीय शीतल संत पंडित रामदास महाराज कथा वाचन करेंगे। कलश यात्रा में नगर निगम भोपाल महापौर मालती राय उपस्थित रही। यात्रा के दौरान महिलाएं भक्तों के साथ सर पर कलश धारण कर चल रही थी। इस मौके पर मंत्री विश्वास सारंग भी नारायण हरि संकीर्तन करते हुए यात्रा में शामिल हुए।

चहेतों को टेंडर दिलाने के चक्कर में विकास ठप, प्रदेश में 5000 करोड़ के अमृत प्रोजेक्ट्स अटके

15 जिलों में महज 55 फीसदी काम, भोपाल-इंदौर जैसे महानगर भी फिसड्डी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में अमृत योजना के तहत शुद्ध पेयजल और सीवरेज सिस्टम को सुधारने का काम होना है, लेकिन 15 जिले ऐसे हैं जहां अब तक 55 प्रतिशत ही काम हो पाया है। भोपाल, इंदौर व ग्वालियर जैसे महानगर भी पिछड़े हैं, जहां 70 प्रतिशत काम भी नहीं हो पाया है। एक अक्टूबर 2021 से प्रारंभ अमृत योजना के अंतर्गत पांच हजार करोड़ रुपये के कार्य अब तक पूरे नहीं हुए हैं। इन्हें पांच वर्ष में पूरा करना था।

हालांकि, नगरीय प्रशासन आयुक्त हर माह कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं और कार्य में लापरवाही पर ठेका कंपनी व संबंधित इंजीनियरों पर भी कार्रवाई की गई है। पिछले तीन माह में ही 20 से अधिक ठेका कंपनियों को नोटिस जारी किया गया तो कुछ को ब्लैक लिस्ट भी किया है। वहीं 40 से अधिक इंजीनियरों पर निलंबन व कारण बताओ नोटिस की कार्रवाई की गई है।

इसका असर यह है कि 15 जिले ऐसे भी हैं जहां 75 से 85 प्रतिशत तक काम हो चुका है। इधर, दूषित पेयजल प्रबंधन के लिए एसओपी भी जारी की गई है। परियोजनाओं की सतत समीक्षा कर डीएलआरएमसी की बैठक समयसीमा में आयोजित कर कार्रवाई विवरण ई-नगर पालिका पोर्टल के डीएलआरएमसी टैब पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं।

अमृत के अधिकांश प्रोजेक्ट महापौर परिषद (एमआइसी) में लंबित हैं। एक हजार करोड़ से अधिक के कार्यों को महापौर परिषद की अनुमति का इंतजार है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, बुरहानपुर और सागर जिलों में वर्षों पुरानी पेयजल लाइन, ड्रेनेज लाइन क्रास कनेक्शन बड़ी समस्या है। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि चहेतों को टेंडर दिलाने की चाह में एमआइसी में सहमति ही नहीं बन पाती है। जिससे शहरों का विकास प्रभावित हो रहा है।

पांच हजार करोड़ रुपये के यह कार्य लंबित

250 जल प्रदाय कार्य। 270 वॉटर बाडी रिजुविनेशन। हरित क्षेत्र का विकास। सीवरेज के कार्य।

अमृत में पिछड़े प्रमुख जिले

क्र. सं.	जिला	प्रगति प्रतिशत	वर्तमान स्थिति
1	इंदौर	70.43	महानगरों में सबसे बेहतर, फिर भी लक्ष्य से पीछे
2	जबलपुर	68.02	धीमी गति से कार्य प्रगति पर
3	सागर	67.92	एमआइसी में टेंडर लंबित
4	गुना	66.08	70 प्रतिशत के आंकड़े से पीछे
5	कटनी	65.21	सीवरेज और पेयजल कार्य अधूरे
6	शिवपुरी	65.13	कछुआ चाल से चल रहे प्रोजेक्ट्स
7	भिंड	63.59	बुनियादी ढांचे में सुस्ती
8	दमोह	63.13	वाटर बॉडी रिजुविनेशन पेंडिंग
9	सिंगरौली	62.57	औद्योगिक हब होने के बावजूद पिछड़ा
10	सिवनी	61.68	40 प्रतिशत के करीब काम अभी बाकी
11	भोपाल	60.97	राजधानी में काम की रफ्तार बेहद चिंताजनक
12	ग्वालियर	59.10	60 प्रतिशत के बैरियर को भी नहीं छू पाया
13	दतिया	57.30	शुरुआती चरण के कई प्रोजेक्ट्स अटके
14	मुरैना	56.12	गंभीर ड्रेनेज लाइन और क्रॉस कनेक्शन की समस्या
15	बुरहानपुर	55.95	पूरे प्रदेश में सबसे खराब प्रदर्शन (फिसड्डी)

भीषण गर्मी में पानी को तरस रही ग्रामीण आबादी

कहीं झिरी खोदकर निकाल रहे मटमैला पानी कहीं पांच किमी दूर गंदे कुएं के सहारे लोग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र में गर्मी अब सिर्फ तापमान नहीं बढ़ा रही, गांवों और शहरों की पेयजल व्यवस्था की परतें भी उधेड़ रही है। सीहोर जिले की ग्राम पंचायतरामगढ़ में महिलाएं कुओं में उतरकर जान दांव पर लगाकर किसी तरह प्यास बुझाने की जुगत में जुटी हैं। महिलाएं सूखी नदी-नालों में झिरी खोदकर मटमैला पानी निकाल रही हैं। कई जगह दो किमी दूर कुओं में पत्थरों पर पैर टिकाकर उतरना पड़ रहा है और पानी कपड़े से छानकर घर लाना पड़ रहा है।
बेगमगंज के कोकलपुर में करीब 2 हजार आबादी दिनभर में सिर्फ 3 से 4 कुप्पा पानी पर निर्भर है, क्योंकि सरकारी कुएं में निजी मोटर पंप डालकर पानी खींचे जाने का आरोप है। भैंसदेही के हरिमऊ में नल-जल योजना बंद है, दो हैंडपंप सूख चुके हैं और 200 परिवार 5 किमी दूर गंदे कुएं के भरोसे हैं। खरगोन के टेमला में विधायक के गृह ग्राम में ही एक महीने से संकट है; 5-6 दिन से नल सूखे हैं, तीन दिन में सिर्फ एक घंटे पानी मिल रहा है, इसलिए ग्रामीणों ने चक्काजाम किया। मंदसौर के खानपुरा में डेढ़ महीने से नलों में बदबूदार, कीड़े और गंदगी वाला पानी आ रहा है। यानी मप्र में कहीं पानी नहीं, कहीं पानी पीने लायक नहीं।
रायसेन तहसील के कोकलपुर गांव में भीषण गर्मी के बीच करीब दो हजार की आबादी जल संकट से जूझ रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी कुएं में कुछ दबंगों ने निजी मोटर पंप डाल रखे हैं, जिससे सारा पानी खींच लिया जाता है। नतीजा यह है कि पानी की टंकी तक जल नहीं पहुंच पा रहा और लोगों को दिनभर में महज तीन से चार कुप्पा पानी ही मिल पा रहा है।

सीहोर - कुएं में उतरना मजबूरी

जिले के ग्रामीण इलाकों में जल संकट गहरा गया है। ग्राम पंचायत रामगढ़ में महिलाएं दो किमी दूर जाकर, जान जोखिम में डालकर कुओं में उतरकर पानी ला रही हैं। कई जगह सूखी नदियों में झिरी खोदकर मटमैला पानी छानकर पिया जा रहा है। पीएचई के सहायक यंत्री अजय वर्मा ने बताया कि विभाग को मिली 345 शिकायतों में से 315 का समाधान किया जा चुका है।

मंदसौर : नलों से आ रहा कीड़े और बदबूदार गंदा पानी, लोग परेशान

खानपुरा स्थित बरगुंडा मोहल्ले सहित कई इलाकों में डेढ़ महीने से नलों से कीड़े, कचरा और बदबूदार गंदा पानी आ रहा है। सुगनाबाई और अनोखीबाई के अनुसार, पुरानी पाइप लाइन व गड्ढों के कारण पानी दूषित हो रहा है। रामघाट में 5 फीट और कालाभाटा में 6 फीट पानी ही बचा है।

बैतूल: बूंद-बूंद को तरस रही गांव की एक हजार की आबादी

भैंसदेही तहसील के हरिमऊ गांव में एक हजार की आबादी बूंद-बूंद पानी को तरस रही है। नल-जल योजना बंद होने और दो हैंडपंपों का जलस्तर गिरने से संकट गहरा गया है। ग्रामीणों को 5 किमी दूर मधुमक्खियों के छत्ते वाले कुएं से गंदा पानी लाना पड़ रहा है।

खरगोन : विधायक पर फूटा गुस्सा-पानी के लिए लगाया चक्काजाम

खरगोन विधायक बालकृष्ण पाटीदार के गृह ग्राम टेमला में गहराए जल संकट के खिलाफ ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया। गांव में तीन दिन में एक घंटे पानी मिल रहा है और मोटर जलने से सप्लाई ठप है। नया नगर इलाके में कई दिनों से नल सूखे हैं।

भोपाल जल्द आ सकती है स्वच्छ सर्वेक्षण टीम

निगम ने 40 जगहों पर स्वच्छता पेंटिंग बनाई, गली में उकेरी समुद्र की आकृति

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल में स्वच्छ सर्वेक्षण के लिए टीम अगले 2 दिन के अंदर आ सकती है। टीम के आने से पहले नगर निगम वह सभी कवायदें कर रहा है, जो उसे बेहतर अंक दिला सके। सोमवार को जोन-9 के पंजाबी बाग में एक गली में समुद्र की आकृति की उकेर दी गई। जिसे देखने के लिए लोग पहुंचे। ऐसी ही करीब 40 पेंटिंग शहर के विभिन्न हिस्सों में बनाई गई हैं। दूसरी ओर, लोगों को बेहतर फीडबैक के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। हालांकि, इस बार भोपाल को कागजों के साथ जमीन पर भी सफाई साबित करनी होगी।

इसी वजह से सड़कों की सफाई, नालों की सफाई, सार्वजनिक शौचालयों की सफाई, बैक लेन में पेंटिंग और बाजारों में टाइल्स लगाने का काम शुरू किया गया है। न्यू मार्केट, 10 नंबर मार्केट, पुराना शहर, करोंद, कोलार, बैरागढ़ जैसे बड़े बाजारों में सौंदर्यीकरण और कचरा उठाने के काम को प्राथमिकता दी जा रही है। हालांकि, जमीन पर अब भी कई जगह गंदगी, टूटे डस्टबिन, उखड़ी सड़कें और खुले नाले जैसी समस्याएं बनी हुई हैं। ऐसे में विजिबल क्लीनलीनेस के लिए तय 1500 अंक भोपाल के लिए बड़ी चुनौती बने हुए हैं। जानकारी के अनुसार, आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में विजिबल क्लीनलीनेस यानी जमीन पर दिखने वाली सफाई पर विशेष फोकस किया है। नई गाइडलाइंस के तहत शहरों की रैंकिंग 10 मुख्य इंडिकेटर्स के आधार पर तय होगी।

बाजारों में कचरा चुनौती

आवासीय क्षेत्रों और पार्कों में रोज एक बार, जबकि व्यावसायिक स्थलों, बस-रेलवे स्टेशनों, पर्यटन स्थलों और स्ट्रीट फूड जोन में दिन में दो बार सफाई जरूरी होगी। इस पैरामीटर के लिए सबसे ज्यादा 300 अंक हैं। कई मार्केट में अब भी कचरा और गंदगी बड़ी समस्या बनी हुई है।

गंदगी पर कट सकते हैं नंबर

घरों और दुकानों के पीछे की गलियों यानी बैक लेन की सफाई और रखरखाव के लिए 200 अंक तय हैं। शहर के कई इलाकों में बैक लेन में रंगीन पेंटिंग और सफाई अभियान जारी है। सार्वजनिक स्थलों और दीवारों को पान-गुटखे के धब्बों और खुले में पेशाब के निशानों से मुक्त रखने पर 150 अंक मिलेंगे। निर्माण कार्यों के दौरान लगाए गए बैरिकेड्स पीकदान बन चुके हैं।

मप्र में दो साल बाद किसानों के चेहरे पर लौटी रौनक

सोयाबीन के रेट एक महीने में 2000 रुपए उछले, शाजापुर मंडी में 908 क्विंटल आवक

शाजापुर।, दोपहर मेट्रो

शाजापुर जिले की कृषि उपज मंडियों में इन दिनों सोयाबीन फिर से चर्चा का केंद्र बनी हुई है। कभी लागत से भी कम दाम मिलने के कारण किसानों की चिंता बढ़ाने वाली सोयाबीन अब ÷सोना÷ साबित होती नजर आ रही है। बीते एक महीने में सोयाबीन के दामों में करीब 2000 रुपए प्रति क्विंटल तक की तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। एक माह पहले मंडियों में 5200 से 5500 रुपये प्रति क्विंटल बिकने वाली सोयाबीन अब 7300 रुपये प्रति क्विंटल के पार पहुंच चुकी है। कृषि उपज मंडी शाजापुर और शुजालपुर में सोयाबीन की ऊंची बोली ने किसानों को राहत दी है। शुक्रवार को शाजापुर मंडी में 908 क्विंटल आवक दर्ज हुई, जहां न्यूनतम भाव 3250, अधिकतम 7340 और माडल भाव 7100 रुपये प्रति क्विंटल रहा। विशेषज्ञों के अनुसार बाजार में आवक कम और मांग अधिक होने से कीमतों को मजबूती मिल रही है। तेल मिलों द्वारा लगातार खरीदारी और उत्पादन में कमी के कारण बाजार में तेजी बनी हुई है।

पिछले दो वर्षों से लागत तक नहीं मिल पा रही थी

किसान दुर्गेश पाटीदार ने बताया कि एक महीने पहले जब उन्होंने भाव पूछे थे, तब सोयाबीन 5200 रुपए प्रति क्विंटल बिक रही थी, लेकिन अब उनकी उपज 7300 रुपये प्रति क्विंटल बिकी है। वहीं किसान शैलेन्द्र सिंह का कहना है कि पिछले दो वर्षों से किसानों को लागत तक नहीं मिल पा रही थी। लगातार वर्षा से फसल खराब होने और गिरते दामों ने आर्थिक दबाव बढ़ा दिया था, लेकिन अब तेजी से किसानों में उम्मीद जगी है।

बिजली बिलों की वसूली की शुरूआत बड़े लोगों से करें : ऊर्जा मंत्री तोमर

भोपाल । बकाया बिजली बिलों की वसूली की शुरूआत बड़े लोगों से करें। यह कार्यवाही दिखनी भी चाहिए। इसके सकारात्मक प्रभाव होंगे। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह निर्देश सोमवार को मंत्रालय में पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यों की समीक्षा के दौरान दिये। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर से ई-स्कूटी से वल्लभ भवन पहुंचे। ऊर्जा मंत्री तोमर ने पूछा कि जिन क्षेत्रों में शत-प्रतिशत स्मार्ट मीटर लग गये हैं, उनमें बिलिंग, वासूली एवं हानियों में कितना सुधार आया है। उन्होंने कहा कि इसकी गहन समीक्षा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्य क्षेत्रीय परिषद बैठक स्थल जगदलपुर में लोक कलाकारों द्वारा आयोजित पारंपरिक लोकशिल्पों की लघु प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए प्रेक्षक नियुक्त

प्रदेश में अगले साल प्रस्तावित निकाय चुनाव की तैयारी तेज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में अगले साल प्रस्तावित पंचायत और नगरीय निकाय चुनावों की तैयारियां तेज हो गई हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायतों और नगरीय निकायों की मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत कई जिलों के लिए प्रेक्षकों की नियुक्ति कर दी है। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 18 जून 2026 को किया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार मतदाता सूची पुनरीक्षण की पूरी प्रक्रिया की निगरानी के लिए सेवानिवृत्त आईएएस और राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को अलग-अलग जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आयोग का उद्देश्य है कि चुनाव से पहले मतदाता सूची को पूरी तरह अद्यतन और त्रुटिरहित बनाया जा सके।

आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि इंदौर, ग्वालियर, रीवा, शहडोल, नर्मदापुरम, बैतूल, रायसेन, सीधी, डिंडोरी और अन्य जिलों के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। वहीं कटनी, सतना, शिवपुरी, देवास, सागर, दमोह और दतिया सहित कई जिलों में सेवानिवृत्त राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। निर्वाचन आयोग के मुताबिक प्रेक्षक मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की निगरानी करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल हों तथा किसी प्रकार की

दोपहर मेट्रो

कोर्ट की सुनवाई में कहा- मैं तो पापा के साथ ही जाऊंगा

मासूम की जिद के आगे कानून भी पिघला, पिता के साथ पहुंचा जेल

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

उज्जैन में एक बेहद भावुक मामला सामने आया है, जहां चार साल के मासूम की एक जिद ने अदालत को भी भावुक कर दिया। कोर्ट में सुनवाई के दौरान बच्चे ने बार-बार कहा, ÷मैं पापा के साथ जाऊंगा।÷ बच्चे की भावनाओं को देखते हुए न्यायाधीश ने उसे पिता के साथ भेजने के निर्देश दिए। साथ ही जेल प्रशासन को बच्चे की पूरी देखभाल सुनिश्चित करने के आदेश भी दिए गए। अब मासूम अपने पिता के साथ केंद्रीय भैरवगढ़ जेल में रह रहा है।

मामला उज्जैन के देवास रोड स्थित एक कॉलोनी का है। यहां रहने वाली एक महिला ने करीब एक महीने पहले फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मामले की जांच के बाद पुलिस ने पति को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के दौरान चार साल का बेटा भी अपने पिता के साथ था। पुलिस बच्चे को भी कोर्ट लेकर पहुंची। सुनवाई के दौरान बच्चे के नाना-नानी ने उसे अपने साथ रखने की इच्छा जताई।

कोर्ट में बच्चा लगातार अपने पिता के साथ रहने की जिद करता रहा। उसने साफ तौर पर नाना-नानी के साथ जाने से इनकार कर दिया। मासूम की यह बात सुनकर अदालत ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद बच्चे को उसके पिता के साथ भेजने का फैसला सुनाया। इसके बाद दोनों को भैरवगढ़ सेंट्रल जेल भेज दिया गया।

लोक अभियोजन अधिकारी ने बताया कि माता-पिता बच्चे के प्राकृतिक संरक्षक होते हैं। इस मामले में स्थायी कस्टडी का फैसला नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि अगर बच्चा नाना-नानी के साथ जाने की इच्छा जताता, तो अदालत अंतरिम आदेश देकर उसे उनके साथ भेज सकती थी। लेकिन बच्चे ने स्पष्ट रूप से पिता के साथ रहने की बात कही, इसलिए अदालत ने उसी आधार पर निर्णय लिया।

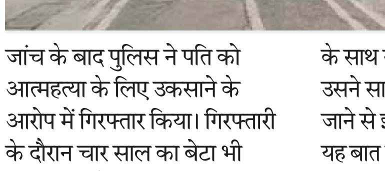

इसलिए चर्चा में है यह मामला

उज्जैन में यह मामला इसलिए चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि कोर्ट में एक चार साल के मासूम ने अपने पिता के साथ रहने की जिद की और अदालत ने उसकी भावनाओं को ध्यान में रखते हुए उसे पिता के साथ जेल भेजने की अनुमति दे दी। जेल प्रशासन के अनुसार, महिला बंदियों के साथ बच्चों के रहने के मामले पहले भी सामने आए हैं, लेकिन किसी पुरुष बंदी के साथ बच्चे के जेल में रहने का यह संभवतः पहला मामला माना जा रहा है।

जेल प्रशासन करेगा बच्चे की पूरी देखभाल

भैरवगढ़ जेल अधीक्षक ने बताया कि जेल प्रशासन बच्चे के लिए सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। बच्चे के लिए दूध, भोजन और जरूरत के अनुसार डाइट की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा पढ़ाई, खेलने और मनोरंजन की सुविधाएं भी दी जाएंगी, ताकि बच्चे पर जेल का कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े। जेल प्रशासन का कहना है कि बच्चे को अन्य अपराधियों से दूर सुरक्षित माहौल में रखा जाएगा।

भारत अब सिर्फ दर्शक नहीं

एक समय था जब विदेश यात्राएं केवल औपचारिक तस्वीरों और साझा बयानों तक सीमित समझी जाती थीं। लेकिन आज की दुनिया में हर कूटनीतिक मुलाकात ऊर्जा, सुरक्षा और आर्थिक शक्ति के नए समीकरण लिखती है। बदलते वैश्विक परिदृश्य के बीच भारत जिस तरह अपने अंतरराष्ट्रीय रिश्तों को आकार दे रहा है, वह यह संकेत देता है कि देश अब केवल वैश्विक घटनाओं पर प्रतिक्रिया देने वाला राष्ट्र नहीं, बल्कि उन्हें प्रभावित करने की तैयारी में है। संयुक्त अरब अमीरात के साथ भारत की बढ़ती निकटता इसी बदलती सोच का हिस्सा है। यह रिश्ता अब केवल तेल खरीदने और प्रवासी भारतीयों तक सीमित नहीं रह गया। दोनों देशों के बीच ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा सहयोग और निवेश से जुड़े नए समझौते इस बात के संकेत हैं कि यह साझेदारी अब रणनीतिक गहराई हासिल कर रही है। खास बात यह है कि यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब पश्चिम एशिया लगातार तनाव और अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। ऊर्जा आज केवल आर्थिक जरूरत नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का सबसे बड़ा आधार बन चुकी है। दुनिया ने रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संकटों के दौरान देखा कि तेल और गैस की आपूर्ति बाधित होते ही वैश्विक अर्थव्यवस्था कैसे डगमगा जाती है। ऐसे समय में भारत द्वारा रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारण को मजबूत करने की दिशा में उठाए गए कदम दूरदर्शी माने जाएंगे। यह केवल ईंधन जमा करने की योजना नहीं, बल्कि भविष्य की अनिश्चितताओं से बचाव की तैयारी है। रक्षा सहयोग का बढ़ता दायरा भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। हिंद महासागर से लेकर खाड़ी क्षेत्र तक बदलते सामरिक समीकरणों के बीच भारत अपने भरोसेमंद साझेदारों का दायरा बढ़ा रहा है। यह समझना जरूरी है कि आधुनिक कूटनीति अब केवल दोस्ती की भाषा नहीं बोलती, बल्कि साझा हितों और सुरक्षा के संतुलन पर टिकी होती है। भारत इसी नई वैश्विक भाषा को समझते हुए आगे बढ़ रहा है। आर्थिक दृष्टि से भी यह साझेदारी भारत के लिए महत्वपूर्ण अवसर लेकर आई है। बुनियादी ढांचे, बैंकिंग और विकास परियोजनाओं में विदेशी निवेश केवल पूंजी नहीं लाता, बल्कि वैश्विक भरोसे का संकेत भी देता है। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं वहीं निवेश करती हैं जहां उन्हें स्थिरता, संभावनाएं और दीर्घकालिक विकास दिखाई देता है।

समय की मांग, शिक्षा को शिक्षा रहने दिया जाए, विज्ञापन का माध्यम न बनाएं

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

आजकल परीक्षा परिणाम आते ही विद्यालयों के बाहर एक अजीब सी होड़ दिखाई देने लगती है। कहीं बड़े-बड़े होर्डिंग लगे होते हैं, कहीं रंगीन पोस्टर, कहीं सोशल मीडिया पर लगातार तस्वीरों की भरमार। किसी छात्र के साथ 99%, किसी के साथ 98%, किसी के साथ 97% अंक लिखे होते हैं। विद्यालय इन तस्वीरों को ऐसे प्रस्तुत करते हैं मानो कोई व्यावसायिक उपलब्धि हासिल हुई हो। देखने वाले अभिभावकों को संदेश दिया जाता है कि यही वह संस्थान है जहां 'सफलता' मिलती है। शिक्षा अब धीरे-धीरे ज्ञान का माध्यम कम और प्रचार का साधन अधिक बनती दिखाई दे रही है। यही कारण है कि आज यह प्रश्न गंभीरता से उठने लगा है कि क्या पढ़ाई अब शिक्षा कम और विज्ञापन अधिक बन गई है? निस्संदेह, मेहनत करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान होना चाहिए। अच्छे परिणाम किसी भी छात्र, शिक्षक और अभिभावक के लिए गर्व का विषय होते हैं। लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब विद्यालय केवल कुछ चुनिंदा विद्यार्थियों को ही सफलता का चेहरा बनाकर प्रस्तुत करने लगते हैं। बाकी बच्चे, जिन्होंने अपनी क्षमता के अनुसार मेहनत की, संघर्ष किया, परिस्थितियों से लड़ते हुए परीक्षा पास की, वे सब इस चमक-दमक में कहीं पीछे छूट जाते हैं। विद्यालय के पोस्टरों पर उनकी तस्वीरें नहीं होतीं, उनके प्रयासों की चर्चा नहीं होती। धीरे-धीरे उनके मन में यह भावना बैठने लगती है कि शायद वे पर्याप्त अच्छे नहीं हैं। आज शिक्षा का वातावरण अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक हो चुका है। बच्चे अब ज्ञान प्राप्त करने के लिए नहीं, बल्कि प्रतिशत हासिल करने के लिए पढ़ रहे हैं। माता-पिता की अपेक्षाएं, समाज की तुलना और विद्यालयों की प्रचार नीति मिलकर बच्चों पर ऐसा दबाव बना देती हैं कि वे स्वयं को अंकों के तराजू में तौलने लगते हैं। यदि किसी बच्चे के 95% अंक आए हैं तो वह 'प्रतिभाशाली' कहलाता है, लेकिन 70% लाने वाला बच्चा स्वयं को साधारण या कमजोर मानने लगता है। यह सोच शिक्षा की आत्मा के विरुद्ध है। हर बच्चा अलग होता है। किसी की रुचि विज्ञान में होती है, किसी की साहित्य में, कोई खेल में उत्कृष्ट होता है तो कोई कला, संगीत या तकनीकी कौशल में। लेकिन वर्तमान शिक्षा व्यवस्था ने सफलता की परिभाषा को केवल परीक्षा परिणामों तक सीमित कर दिया है। विद्यालय भी उसी दिशा में चलते दिखाई देते हैं जहां उन्हें अधिक प्रचार और अधिक प्रवेश मिलने की संभावना हो। परिणामस्वरूप बच्चे 'विद्यार्थी' कम और 'रिजल्ट प्रोडक्ट' अधिक बनते जा रहे हैं।

सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि इस प्रकार का प्रचार बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। जिन छात्रों के अंक अपेक्षाकृत कम आते हैं, वे स्वयं को दूसरों से कमतर समझने लगते हैं। कई बच्चे अवसाद, तनाव और हीनभावना का शिकार हो जाते हैं। कुछ बच्चे तो इतने दबाव में आ जाते हैं कि वे परिवार और समाज से कटने लगते हैं। आज देश में परीक्षा परिणामों के बाद आत्महत्या जैसी घटनाएं भी सामने आती हैं। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी नहीं, बल्कि उस सामाजिक और शैक्षणिक दबाव का परिणाम है जो बच्चों पर लगातार डाला जा रहा है। विद्यालयों को यह समझना होगा कि शिक्षा केवल टॉपर बनाने का माध्यम नहीं है। एक योग्य शिक्षक की पहचान केवल इस बात से नहीं होती कि उसके कितने छात्रों ने 95% अंक प्राप्त किए, बल्कि इससे होती है कि उसने कितने बच्चों के भीतर आत्मविश्वास जगाया। असली शिक्षा वह है जो बच्चे को जीवन के संघर्षों के लिए तैयार करे, उसे संवेदनशील बनाए, उसके भीतर नैतिकता और मानवता का विकास करे। यदि कोई बच्चा परीक्षा में औसत अंक लाता है लेकिन अच्छा इंसान बनता है, समाज के प्रति जिम्मेदार बनता है, तो वह भी शिक्षा की सफलता है। आज कई विद्यालय परीक्षा परिणामों को व्यवसायिक रणनीति की तरह इस्तेमाल करते हैं। सोशल मीडिया पर लगातार पोस्ट, अखबारों में विज्ञापन, शहर भर में बैनर–यह सब शिक्षा के व्यवसायीकरण का संकेत है। अभिभावक भी इन चमकदार परिणामों से प्रभावित होकर विद्यालय चुनते हैं। उन्हें लगता है कि जहां अधिक टॉपर हैं, वही विद्यालय श्रेष्ठ है। लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता केवल कुछ विद्यार्थियों के प्रतिशत से तय नहीं हो सकती। किसी विद्यालय की वास्तविक पहचान इस बात से होनी चाहिए कि वहां औसत और कमजोर छात्रों के साथ कैसा व्यवहार होता है, उन्हें कितना सहयोग और प्रोत्साहन मिलता है।

यह भी सच है कि बहुत से विद्यालय जानबूझकर केवल मेधावी बच्चों पर अधिक ध्यान देते हैं ताकि उनका परिणाम अच्छा दिखाई दे। कमजोर छात्रों को अक्सर उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। कई बार उन्हें यह महसूस कराया जाता है कि वे विद्यालय की 'प्रतिष्ठा' पर बोझ हैं। यह स्थिति अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। शिक्षा में समान अवसर और समान सम्मान सबसे आवश्यक तत्व हैं। यदि विद्यालय ही बच्चों में भेदभाव करने लगेंगे, तो समाज में संवेदनशीलता कैसे विकसित होगी? अभिभावकों की भूमिका भी यहां महत्वपूर्ण है। कई माता-पिता अपने बच्चों की तुलना दूसरों से करने लगते हैं। 'देखो शर्मा जी के बेटे के 98% आए हैं' जैसे वाक्य बच्चों के आत्मविश्वास को तोड़ देते हैं। हर बच्चा अपनी गति और क्षमता के अनुसार सीखता है। जरूरत उसे समझने और प्रोत्साहित करने की है, न कि उसे लगातार दूसरों से कम साबित करने की। बच्चों को यह महसूस होना चाहिए कि वे केवल अंकों के कारण प्रिय नहीं हैं, बल्कि उनके व्यक्तित्व और प्रयास भी महत्वपूर्ण हैं।

समाज को भी अपनी सोच बदलनी होगी। यदि हम केवल ऊंचे अंकों वालों को ही सम्मान देंगे, तो बाकी बच्चे स्वयं को असफल समझने लगेंगे। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हर बच्चा अलग है और हर प्रतिभा महत्वपूर्ण है। कोई बच्चा डॉक्टर बनेगा, कोई कलाकार, कोई किसान, कोई सैनिक, कोई शिक्षक–हर भूमिका समाज के लिए आवश्यक है। शिक्षा का उद्देश्य सभी को एक ही साँचे में ढालना नहीं, बल्कि उनकी व्यक्तिगत क्षमता को विकसित करना होना चाहिए।

आज जब पढ़ाई 'विज्ञापन' बनती जा रही है, तब सबसे अधिक आवश्यकता संवेदनशीलता की है। विद्यालयों को बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाना चाहिए, न कि उन्हें तुलना और प्रदर्शन की मशीन बनाना चाहिए। बच्चे प्रतिशत नहीं, भविष्य हैं। उनका सम्मान केवल अंकों से नहीं, बल्कि उनके प्रयास, संघर्ष और सपनों से होना चाहिए। यदि शिक्षा केवल पोस्टरों और प्रतिशत तक सीमित हो गई, तो हम शायद अच्छे अंक तो पा लेंगे, लेकिन अच्छे इंसान खो देंगे। इसलिए समय की मांग है कि शिक्षा को फिर से शिक्षा बनने दिया जाए, विज्ञापन नहीं।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

सभ्यता, संस्कृति और जीवन का आधार हैं हमारी नदियां, इन्हें बचाकर ही भविष्य बचेगा

कुमार कृष्णन
स्तंभकार

राजेंद्र सिंह सूखी नदियों को जीवन देने वाले और रेगिस्तान में पानी का जादू बिखेरने वाले जल पुरुष के रूप में विख्यात हैं। उनका स्पष्ट रुप से मानना है कि-धरती की प्यास तभी बुझेगी और मानवता तभी बचेगी, जब हम पानी की हर एक बूंद को सहेजना और प्रकृति का सम्मान करना सीख जाएंगे। राजस्थान के अलवर जिले के सूखे पड़े गांवों से जल संरक्षण की एक ऐसी क्रांति शुरू करने वाले, जिसने पूरी दुनिया को चकित कर दिया वे हैं राजेंद्र सिंह। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बागपत (डौला गांव) की माटी में जन्मे राजेंद्र सिंह जी ने आधुनिक सुख-सुविधाओं और सरकारी नौकरी को छोड़कर जल संकट से जूझते भारत के ग्रामीण इलाकों की तकदीर और तस्वीर बदल दी। राजेंद्र सिंह और उनकी संस्था तरुण भारत संघ ने पारंपरिक भारतीय जल संचयन प्रणालियों (जैसे जोहड़, चेक डैम और तालाब) को पुनर्जीवित किया। उनके इस प्रयास से राजस्थान के अलवर और आस-पास के जिलों की अरवरी, रूपारेल, सरसा, भगानी और जहाजवाली जैसी बात सूखी नदियां दोबारा जीवित हो उठीं और हजारों एकड़ बंजर भूमि फिर से हरी-भरी हो गई।पारंपरिक ज्ञान और सामुदायिक नेतृत्व करके उन्होंने सिद्ध किया कि पानी का संकट बड़ी-बड़ी मशीनों से नहीं, बल्कि समाज की सहभागिता और पूर्वजों के पारंपरिक ज्ञान से दूर हो सकता है। उन्होंने ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाया और पानी के प्रबंधन के लिए जल संसद की स्थापना की।

खादी के वस्त्र पहनने वाले राजेंद्र सिंह जी का पूरा जीवन गांधीवादी विचारों और प्रकृति के प्रति समर्पण का प्रतीक है। वे पिछले चार दशकों से लगातार गांवों, जंगलों और नदियों को बचाने के लिए देश-विदेश में पदयात्राएं कर रहे हैं। सामुदायिक नेतृत्व और जल संरक्षण के क्षेत्र में उनके इसी अभूतपूर्व और क्रांतिकारी कार्य के लिए उन्हें वर्ष 2001 में प्रतिष्ठित रमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें वर्ष 2015 में उन्हें पानी के क्षेत्र का दुनिया का सबसे बड़ा पुरस्कार स्टॉकहोम वॉटर प्राइज दिया गया, जिसे पानी का नोबेल पुरस्कार भी कहा जाता है। दुनिया भर की पर्यावरण संस्थाएं आज उनके जल प्रबंधन मॉडल का अध्ययन करती हैं।राजेंद्र सिंह का जीवन और उनका संघर्ष हमें याद दिलाता है कि पानी केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन की आत्मा है। आने वाली पीढ़ियों को जल संकट से बचाने के लिए उनका काम पूरी मानवता के लिए एक मार्गदर्शक मशाल है।

राजेंद्र सिंह जी के मत में नदियां बीमार हो रही हैं, लेकिन उनके उपचार और पुनर्जनन के लिए प्रभावी कानून का सर्वथा अभाव है। इसलिए अब नदी संरक्षण और नदी पुनर्जनन कानून की आवश्यकता शिद्दत से महसूस की जा रही है।नदियां केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि सभ्यता, संस्कृति, अर्थव्यवस्था और जीवन का आधार हैं। दुनिया की अधिकांश सभ्यताएं नदियों के किनारे विकसित हुईं। आज अतिक्रमण, प्रदूषण और अत्यधिक दोहन के कारण नदियां अपनी पहचान खो रही हैं। कहीं वे सूख रही हैं, तो कहीं बाढ़ और विनाश का कारण बन रही हैं। नदियों का मरना, सभ्यता के संकट का संकेत है। भारत तेजी से जल संकट की ओर बढ़ रहा है। अनियंत्रित शहरीकरण, औद्योगीकरण, जल स्रोतों पर कब्जा, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन ने जल चक्र को असंतुलित कर दिया है। इसके कारण बाढ़ और सूखे की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही हैं।

नदी पुनर्जनन केवल सफाई अभियान नहीं, वरन नदियों की प्राकृतिक, पारिस्थितिक और जलवैज्ञानिक संरचना को पुनर्जीवित करने की प्रक्रिया है। नदियों को उनके प्राकृतिक प्रवाह के साथ सुरक्षित रखना, अतिक्रमण रोकना, प्रदूषण पर नियंत्रण और जल के संतुलित उपयोग को सुनिश्चित करना इसकी मूल आवश्यकता है। भारत का संविधान पर्यावरण संरक्षण को नागरिकों और स्थानीय संस्थाओं की जिम्मेदारी मानता है। ग्राम पंचायतों, नगर निकायों और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी के बिना जल संरक्षण संभव नहीं है। 'नदी पंचायत' और 'क्षेत्र सभा' जैसी व्यवस्थाएँ जल संरक्षण को जन आंदोलन का रूप दे सकती हैं। मेरा स्पष्ट मानना है कि नदियों और जल स्रोतों की रक्षा के लिए कठोर कानून आवश्यक हैं। जल निकायों में अतिक्रमण, अवैध खनन, प्रदूषण और कचरा डालने पर सख्त रोक होनी चाहिए। साथ ही वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन और वृक्षारोपण को बढ़ावा देना होगा।जल संरक्षण केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। इसलिए नदी पुनर्जनन को सरकारी योजना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आंदोलन बनाना होगा। सरकार कानून बनाए, स्थानीय संस्थाएं उसे लागू करें और नागरिक सक्रिय भागीदारी निभाएँ। नदियों को बचाना ही जीवन और भविष्य को बचाना है।

अब समय आ गया है कि भारत नदी और पर्वत संरक्षण के लिए एक समग्र राष्ट्रीय कानून बनाया जाए। ऐसा कानून, जो केवल अवैध भूकंप प्रतिबंध तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जलागम क्षेत्र, ज्वालामुखी पुनर्भरण, जैव-विविधता, स्थानीय द्वीपों के अधिकार और पर्यावरणीय सुरक्षा को एक साझा वर्गीकरण में जोड़ा गया। आधारभूत प्रभावों के ढांचे को आधार और उत्तरदेह बनाया गया, स्थानीय समुदायों की सहमति के बिना बड़े पैमाने पर विध्वंसक प्रकल्पों को मिलाकर न मिले और पहाड़ों और नदियों की रक्षा के लिए स्वतंत्र पारिस्थितिक प्राधिकरण स्थापित किया गया। 22-23 मई 2026 को प्रस्तावित नदी-पहाड़ सम्मेलन इसी राष्ट्रीय आवश्यकता के लिए केन्द्र में आयोजित किया जा रहा है। आयोजकों का मानना है कि यह सम्मेलन केवल एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि उस राष्ट्रीय निजी की शुरुआत हो सकती है जो विकास को प्रकृति-विरोधी नहीं बल्कि प्रकृति-सम्मत बनाने की दिशा में नई अवधारणा खड़ी करे।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

भीषण लू से बचाव के उपाय जरूरी, हेल्दी फल, सब्जियां, प्रोबायोटिक्स फूड देंगे राहत

गर्मी का वो वक्त आ गया है, जिस दौरान भयंकर लू चलने वाली है। भारतीय मौसम विभाग ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान में 18 मई से 23 मई के लिए गर्मी का येलो अलर्ट जारी कर दिया है। उत्तर प्रदेश में यह अलर्ट ज्यादा गंभीर है। इस दौरान पांचों जगहों पर गर्मी अपने चरम पर रहेगी और तेज लू चलने का अनुमान है। गर्मी में अपनी सेहत का ध्यान ना रखने पर हीटस्ट्रोक व हीट एग्जॉशन का खतरा बढ़ जाता है, जो कई बार जानलेवा भी साबित हो सकता है।

धूप और गर्म हवाओं से शरीर पर तनाव बढ़ता है, जिसे कंट्रोल करने के लिए उसे काफी मेहनत करनी पड़ती है। इस बात का अंदाजा एनसीबीआई पर प्रकाशित एक शोध से लगाया जा सकता है, जो बताता है कि गर्मी में एक्सरसाइज से पड़ने वाला तनाव व्यक्ति के आहार के पोषण, मेटाबॉलिक हेल्थ और वातावरण की गर्मी पर आधारित होता है। इसमें देखा गया है कि गर्मी के दौरान पसीना निकलने और अपर्याप्त पानी पीने से डिहाइड्रेशन बढ़ सकता है। इन दिक्कतों को दूर करने के लिए डाइट में पर्याप्त पानी, विटामिन, मिनरल्स की जरूरत पड़ती है ताकि डिहाइड्रेशन, हीटस्ट्रोक और हीट एग्जॉशन से बचा जा सके।

नई दिल्ली, एम्स की चीफ डाइटिशियन डॉ. परमीत कौर ने गर्मी में शरीर के लिए जरूरी डाइट के बारे में कई अहम बातें बताई। उन्होंने इस दौरान हेल्दी फल, सब्जियां, प्रोबायोटिक्स फूड, शरबत और चटनी के बारे में बताया। जो आसानी से मिल भी जाएंगे और शरीर को ठंडा रखने में बेहतरीन साबित होंगे। डॉ. कौर के मुताबिक, पुदीना का कूलिंग इफेक्ट दमदार है और प्याज भी खानी चाहिए। उनके मुताबिक, इनकी चटनी बनाकर खा सकते हैं। इसके अलावा, नींबू और भुना जीरा से बना जलजीरा पी सकते हैं। ये चीजें ठंडक देने के साथ गट हेल्थ के लिए भी अच्छी होती हैं। गर्मियों में पेट के लायक हल्का भोजन लेना चाहिए। इनमें आप हाई वॉटर कंटेंट वाली सब्जियां और फल शामिल कर सकते हैं, जैसे तोरी, टिंडा, तरबूज और खरबूजा। बेल का फल खाना भी फायदेमंद होता है और इसका आप घर पर शरबत बनाकर भी फायदा उठा सकते हैं। साथ ही डाइट में दही, मट्ठा (छाछ) जैसे प्रोबायोटिक फूड भी लें, जो गट हेल्थ के हेल्दी बैक्टीरिया के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। गर्मी में बाहर जाते हुए किट में ओआरएस के पैकेट, एक थर्मामीटर, पीने के पानी की बोतल, तौलिया या कपड़ा, हो सके तो बैटरी वाला पंखा आदि रखें। दिन में घर के पर्दे ढककर रखें और शाम व रात में खिड़कियां खोलकर रखें।

निशाना

जाने कैसा कल होगा..!

हरिओम श्रीवास्तव

अगर नहीं जो जल होगा,
जाने कैसा कल होगा।
जीवन वही बचाएगा,
जो भी जल निर्मल होगा।
सूख रहे जलस्रोत सभी,
सूखा ही भूतल होगा।
पानी इसमें आता था,
बतलाने को नल होगा।
झीलें पानी कीचड़ हो,
तो ही खिला कमल होगा।
वह उतना जल पाएगा,
जिसमें जितना बल होगा।
जंगल वही उजाड़ेगा,
व्यक्ति यहाँ जो खल होगा।
हरित क्रांति के लाने से,
कुछ तो मसला हल होगा।
पर्यावरण बचाने से,
एक सुनहरा कल होगा।

यूजर्स गाइड

स्मार्टफोन का ओवरहीट होना खतरनाक, कुछ सेटिंग्स को बदलकर गर्म होने से बचा सकते हैं

कई बार मोबाइल फोन छूने पर बहुत गर्म लगता है। मोबाइल के ओवरहीट होने की यह परेशानी गर्मियों में ज्यादा देखी जाती है। कई बार मोबाइल के ज्यादा गर्म होने की वजह से फटने या ब्लास्ट होने की खबरें भी मिलती हैं। एंड्रॉइड हो या iOS गर्मियों में फोन के ओवरहीट की परेशानी सामने आ ही जाती है। ऐसे में कुछ सावधानियों और सेटिंग्स के जरिए इस परेशानी से बच सकते हैं। सभी तरह के फोन में जिन बातों का रखें ध्यान रखने की सलाह दी जाती है उनमें चार्जिंग के समय फोन इस्तेमाल न करना, ओवरहीट हो रहा हो तो फोन का मोटा बैक कवर हटाना , बैकग्राउंड ऐप्स बंद करना, नेटवर्क कमज़ोर हो तो डेटा बंद करना और स्टोरेज खाली रखना शामिल हैं।

ऐसे में एंड्रॉइड के लिए ब्लूटुथ और वाईफाई स्कैनिंग बंद करें। सेटिंग्स में जाकर स्कैनिंगसर्च करें। यहां ब्लूटूथ स्कैनिंगऔर वाईफाई स्कैनिंग को बंद करें को बंद करें। लोकेशन, माइक्रोफोन की परमिशन हटाएं। फास्ट चार्जिंग का ऑप्शन बंद करें। अगर फोन में फास्ट चार्जिंग का ऑप्शन है और फोन ओवरहीट हो रहा है तो गर्मियों में इस ऑप्शन को बंद कर दें।

आईफोन में अगर चार्जिंग पर मोबाइल ज्यादा गर्म हो रहा है तो चार्जर हटा दें। मोटा कवर फोन पर लगा हुआ है तो उसे निकाल दें। कुछ समय के लिए AC या पंखे के रखकर सामने ठंडी हवा दिलाएं, लेकिन फ्रिज में बिलकुल न रखें। एयरप्लेन मोड पर डालें। कई बार कमजोर नेटवर्क सिग्नल की वजह से बैटरी ओवर यूज़ होने से भी फोन गर्म होने लगता है। फोर्स रीस्टार्ट करें। iOS में इसके लिए वॉल्यूम अप का बटन दबाकर वॉल्यूम डाउन का बटन दबाएं और फिर पावर बटन को दबाए रखें। एंड्रॉइड में पावर के साथ वॉल्यूम डाउन बटन को 10 से 20 सेकंड दबाकर रखें।

आईफोन 0 डिग्री सेल्सियस से 35 डिग्री सेल्सियस तक सही से काम करने के लिए बना है। इससे ज्यादा तापमान पर संभव है कि कभी-कभी बैटरी 80% से ज्यादा चार्ज न हो। ऐसे में ध्यान रखें कि आसानी से जितना मोबाइल चार्ज हो जाए उतना ही रखें। जबरदस्ती चार्ज करने की कोशिश न करें। बैटरी का 80% से ऊपर का हिस्सा क्रिटिकल होता है। जबरदस्ती चार्ज करने पर बैटरी या किसी और पार्ट को नुकसान पहुंच सकता है। अगर फोन बार-बार बिना यूज़ के भी बहुत गर्म हो रहा है, बैटरी फूलने लगी है या बार-बार बंद हो रहा है, तो ये बैटरी खराब होने के संकेत हो सकते हैं।

वायरल कंटेंट

37 की उम्र में तीन बार बदला करियर, पहले सैनिक, फिर डॉक्टर, अब नासा में एस्ट्रोनॉट!

आज के समय में एक स्थिर करियर बनाए रखना भी चुनौतीपूर्ण हो गया है लेकिन अमेरिका के जॉनी किम ने इस धारणा को पूरी तरह तोड़ दिया है। मात्र 37 साल की उम्र में उन्होंने तीन बार करियर बदला और हर बार नई ऊंचाइयों को छुआ। नेवी सील कमांडो, हार्वर्ड से डॉक्टर और अब नासा के एस्ट्रोनॉट जॉनी किम की जिंदगी एक रियल लाइफ एक्शन हीरो की कहानी है।

जॉनी किम का जन्म 5 फरवरी 1984 को लॉस एंजेलिस, कैलिफोर्निया में हुआ था। उनके माता-पिता दक्षिण कोरिया से अमेरिका आए थे। बचपन काफी संघर्ष भरा रहा लेकिन इन्हीं चुनौतियों ने उन्हें मजबूत बनाया। 16 साल की उम्र में उन्होंने नेवी में भर्ती होने का फैसला किया। 2002 में उन्होंने नेवी सील ट्रेनिंग शुरू की और जल्द ही SEAL Team 3 में शामिल हो गए। सील के रूप में जॉनी ने इराक युद्ध में 100 से ज्यादा कॉम्बैट मिशन पूरे किए। वे कॉम्बैट मेडिक, नेविगेटर और स्नाइपर के रूप में काम करते रहे। उनकी बहादुरी के लिए उन्हें सिल्वर स्टार और ब्रॉन्ज स्टार विद वैलर समेत कई सम्मान मिले। लेकिन जॉनी का मन कुछ और बड़ा करने को कह रहा था। इसके बाद उन्होंने करियर की दिशा ही बदल दी।

बन गए डॉक्टर: सील की नौकरी के दौरान उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ सैन डिएगो से मैथमेटिक्स में डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने मेडिसिन की पढ़ाई का फैसला किया। 2016 में उन्होंने हार्वर्ड मेडिकल स्कूल से डॉक्टर ऑफ मेडिसिन की डिग्री पूरी की। फिर मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल और ब्रिघम एंड वुमेंस हॉस्पिटल में इमरजेंसी मेडिसिन में इंटर्नशिप भी की। लेकिन जॉनी रुकने वाले नहीं थे। 2017 में नासा ने 18,000 आवेदकों में से सिर्फ 12 को चुना, जिनमें जॉनी किम भी शामिल थे। वे NASA के 22nd एस्ट्रोनॉट ग्रुप का हिस्सा बने। साथ ही वे पहले कोरियन-अमेरिकन एस्ट्रोनॉट भी बने। NASA में चुने जाने के बाद उन्होंने दो साल की कठिन एस्ट्रोनॉट ट्रेनिंग पूरी की। जॉनी अब ड्यूल डिजाइनेटेड नेवल एविएटर और फ्लाइट सर्जन भी हैं। वे स्पेस मिशन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उनकी कहानी युवाओं के लिए बड़ी प्रेरणा है क्योंकि उन्होंने दिखाया कि एक व्यक्ति कई क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल कर सकता है।

जॉनी की सफलता के पीछे उनकी अनुशासन, मेहनत और कभी हार ना मानने वाली भावना है। उन्होंने कई इंटरव्यू में बताया कि बचपन की मुश्किलें और पिता की मौत जैसी घटनाओं ने उन्हें मजबूत बनाया। वे कहते हैं कि जीवन में कभी भी देर नहीं होती। अगर इच्छाशक्ति हो तो कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। जॉनी की उपलब्धियां सिर्फ व्यक्तिगत नहीं हैं। वे कोरियन-अमेरिकन कम्युनिटी के लिए भी प्रतीक बन गए हैं।

न्यूज विंडो

पांढुर्णा में जिला औषधि विक्रेता संघ ने कल बंद का किया ऐलान

पांढुर्णा। पांढुर्णा में 20 मई को दवाइयों की सभी दुकानें बंद रहेंगी। जिला औषधि विक्रेता संघ ने ऑनलाइन दवाओं की बढ़ती बिक्री और बिना डिग्री वाले डॉक्टर्स की मरीजों को दवाइयां लिखे जाने के विरोध में यह फैसला लिया है। सोमवार को संघ ने इस बारे में कलेक्टर और बीएमओ को ज्ञापन भी सौंपा है।

नेशनल हाईवे-30 पर दो कारों की सामने से जोरदार भिड़ंत

मंडला। जिले के नेशनल हाईवे-30 पर दो कारों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। बिछिया थाना क्षेत्र के सिझौरा के पास गुडली गांव में हुए इस हादसे में एक 11 साल की बच्ची समेत दो लोग घायल हो गए हैं। दोनों घायलों को इलाज के लिए बिछिया के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

सड़क से 3 फीट नीचे बन रहा नाला, रहवासी बोले-घर तक पहुचंने स्लोप सेंटर में भी बनवाना पड़ेगा

ठेकेदार की मनमानी.... 2 साल पहले स्वीकृत हुए नाले का निर्माण 6 माह पहले हो सका शुरू

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

तहसील रोड पर नगर पालिका द्वारा बनाया जा रहा नाला रहवासियों के लिए बड़ी मुसीबत बनता दिखाई दे रहा है। 2 साल पहले स्वीकृत हुए 36 लाख की लागत वाले इस नाले का निर्माण नपा बमुश्किल 6 महीने पहले शुरू करवा सकी थी। इसके पहले लगातार इस नाले के टेंडर निरस्त हुए। जब निर्माण कार्य शुरू हुआ तो रहवासियों को उम्मीद बंधी कि काम जल्द ही पूरा हो जाएगा। उनकी यह उम्मीद धरी की धरी रह गई। निर्माण एजेंसी डायमंड कंस्ट्रक्शन ने इतनी धीमी गति से काम किया कि 6 महीने में आधा काम भी नहीं हो सका। निर्माण की इस प्रक्रिया में अब रहवासियों के सामने दूसरी बड़ी समस्या भी सामने आ रही है। निर्माण एजेंसी द्वारा करीब 4 फीट गहराई वाला यह नाला कुछ हिस्सों में सड़क से 2 से 3 फीट नीचे बनाया जा रहा है। इन हालातों में नाले के पास में रहने वाले लोगों को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें अपने घर की पहुंचने के लिए स्लोवनुमा लकड़ी के पटिए या फर्षी लगाना पड़ रही है। इसके बाद वे अपने घर में पहुंच पा रहे हैं। रहवासियों का कहना है कि घर के आगे ही तीन फीट गहराई वाला नाला बनने से हमेशा दुर्घटना का अंदेषा बना रहेगा। समझ नहीं आ रहा कि जिम्मेदारों को हमारी परेशानी दिखाई क्यों नहीं दे रही।

नाला सड़क से केवल 6 इंच नीचा रहेगा

रहवासियों की समस्या को लेकर मीडिया ने नपा इंजीनियर मिथलेष दीक्षित से जानकारी ली। उन्होंने बताया कि नाला सड़क से केवल 6 इंच नीचा रहेगा। जिससे की सड़क के पानी की निकासी हो सके। यदि ठेकेदार 2 से 3 फीट नीचे बना रहा है तो हम उसे उचित लेबल तक भी लाएंगे। फिलहाल निर्माण कार्य गतिषील है और जब काम पूरा होगा तब तक सब व्यवस्थित हो जाएगा।

ठेकेदार का तर्क वाटर लेबल बनाने के लिए यह जरूरी

रहवासियों ने जब अपनी समस्या ठेकेदार को बताई तो उसका कहना था कि नपा द्वारा इसी डिजाइन में नाला बनाने की स्वीकृति दी गई है। वाटर लेबल के लिए यह जरूरी है। इससे नाले के पानी को ढलान मिलेगी और पानी का बहाव सही होगा। हालांकि इस बीच ठेकेदार ने ही लोगों को सलाह भी दे डाली कि आप लोग चाहो तो नाले पर ही सड़क की लेबल तक दीवार भी उठा सकते हैं। इस सलाह के बाद रहवासियों ने ईंट और अन्य निर्माण सामग्री भी मंगवा ली। अब वे ठेकेदार का काम पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं।

पार्षद प्रतिनिधि ने विधायक को बताई रहवासियों की समस्या

रहवासियों ने अपनी समस्या वार्ड 2 के पार्षद प्रतिनिधि सचिन शर्मा को बताई। शर्मा ने उनकी समस्या से विधायक उमाकांत शर्मा को अवगत कराया। विधायक ने भी इस संबंध में नपा प्रबंधन को रहवासियों की समस्या के त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्य लोगों की सुविधा के लिए किए जाते हैं। अगर उससे किसी को दिक्कत है तो इस पर विचार कर समस्या का समाधान करना चाहिए।

ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को मिलेंगी बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं

सिरोंज तहसील के विद्यालयों को मिली लगभग 4.40 करोड़ रुपए के निर्माण कार्यों की सौगात

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

शिक्षा के क्षेत्र में अधोसंरचना विकास को नई गति देते हुए सिरोंज-लटेरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक उमाकांत शर्मा के सतत प्रयासों से सिरोंज तहसील के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में लगभग 4 करोड़ 40 लाख रुपये की लागत से निर्माण एवं उन्नयन कार्य स्वीकृत किए गए हैं। मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा जारी निविदा के माध्यम से इन कार्यों को शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा।

स्वीकृत निर्माण कार्यों के अंतर्गत ग्राम भौंरिया स्थित शासकीय हाईस्कूल में 6 अतिरिक्त कक्ष, बाउंड्रीवाल, मरम्मत एवं शौचालय निर्माण हेतु लगभग 1 करोड़ 78 लाख 85 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार शासकीय हाईस्कूल परधा में 4 अतिरिक्त कक्ष, मरम्मत एवं शौचालय निर्माण कार्य के लिए लगभग 95 लाख 09 हजार रुपये मंजूर किए गए हैं। वहीं शासकीय हाईस्कूल सेमलखेड़ी में 2 अतिरिक्त कक्ष, बाउंड्रीवाल, मरम्मत एवं शौचालय निर्माण हेतु लगभग 85 लाख 84 हजार रुपये तथा हाई स्कूल पिपलिया हाट में दो अतिरिक्त कक्ष, बाडंड्रीबाल,मरम्?मत एवं शौचालय निर्माण कार्यो के लिए लगभग 80 लाख 50 हजार रुपये की स्वीकृति राशि प्रदान की गई है। इन सभी कार्यों की कुल लागत लगभग 4 करोड़ 40 लाख रुपये है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि लंबे समय से विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षों एवं आधारभूत सुविधाओं की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। अब इन निर्माण कार्यों के पूर्ण होने से विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन वातावरण उपलब्ध होगा, साथ ही ग्रामीण अंचल के स्कूलों में आधुनिक एवं सुव्यवस्थित शैक्षणिक सुविधाएं विकसित होंगी। बाउंड्रीवाल निर्माण से विद्यालय परिसरों की सुरक्षा मजबूत होगी तथा शौचालय निर्माण से छात्र-छात्राओं को स्वच्छ एवं सुविधाजनक वातावरण प्राप्त होगा।

क्षेत्रीय नागरिकों, अभिभावकों एवं जनप्रतिनिधियों ने इन महत्वपूर्ण विकास कार्यों के लिए विधायक उमाकांत शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे क्षेत्र के विकास को लेकर निरंतर सक्रिय हैं और शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल एवं जनकल्याण से जुड़े विषयों को प्राथमिकता के साथ शासन स्तर पर उठाकर निरंतर स्वीकृतियां दिला रहे हैं। विधायक ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री मोहन यादव जी एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह जी का आभार व्यक्त किया प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उनका प्रयास है कि सिरोंज-लटेरी विधानसभा क्षेत्र का प्रत्येक विद्यार्थी बेहतर सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सके।

बालाजी वेयर हाउस समिति प्रबंधक - सर्वेयर के खिलाफ एफआईआर दर्ज

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

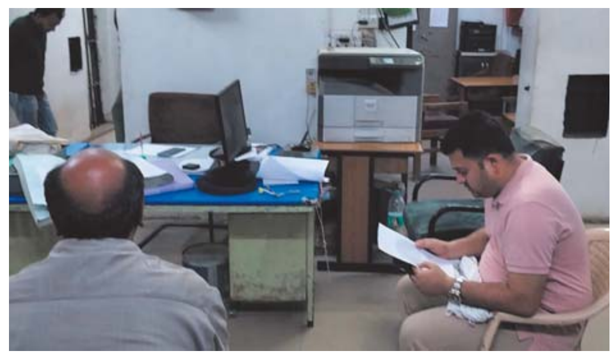

क्रांतिकारी किसान मज़दूर संगठन की शिकायत मिलने पर कलेक्टर ने मामले की सच्चाई की जांच के लिये सिटी मजिस्ट्रेट को किसान का भेष बनाकर उपार्जन केंद्र भेजा। सिटी मजिस्ट्रेट ने बालाजी वेयरहाउस में उपार्जन प्रक्रिया और एफएक्यू घोषित करने की कार्यविधि का गुप्त निरीक्षण किया, जिसमें गहूँ के नमूनों का दृश्य परीक्षण और तुलनात्मक निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि सर्वेयर द्वारा तौल और गुण के आधार पर गेहूँ पर भेदभावपूर्ण तरीके से एफएक्यू घोषित किए जा रहे थे और समिति प्रबंधक किसानों से गहनीय तरीके से मान्य कर्ण (एफएक्यू) के एवज में अवैध राशि लेने का प्रयास कर रहा था। जांच के दौरान जब सिटी मजिस्ट्रेट ने कार्यवाही करना चाही तो संबंधित सर्वेयर और समिति प्रबंधक ने प्रशासनिक कार्रवाई में बाधा डाली और कानून-शांति व्यवस्था को प्रभावित करने का प्रयत्न किया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर के निर्देशन पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 170 के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करते हुए उन्हें हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जा रही है। वही इस पूरे मामले मे फूड इंस्पेक्टर जुबेर पिता जहीन की शिकायत पर थाना इटारसी मे बाला जी वेयर हाउस के समिति प्रबंधक मुकेश साहू और सर्वेयर सूरज सराठे के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है

शहडोल में गेहूं उपार्जन में बड़ा खेल

खराब गेहूं पास कराने वायरल हुआ कथित ऑडियो, वसूली के आरोप

शहडोल। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन मुख्यालय शहडोल द्वारा रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेहूं के गुणवत्ता नियंत्रण हेतु सर्वेयर एवं मैदानी जांच सर्वेयर उपलब्ध कराने का कार्यादेश आर. बी. एसोसिएशन ग्लोबल कनेक्ट प्राइवेट लिमिटेड भोपाल को दिया गया था। कंपनी द्वारा शहडोल जिले के 29 गेहूं उपार्जन केंद्रों में सुपरवाइजर और सर्वेयरों की नियुक्ति की गई, लेकिन अब इन्हीं नियुक्तियों पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। सूत्रों और वायरल ऑडियो के आधार पर आरोप है कि कई उपार्जन केंद्रों में गुणवत्ता जांच के नाम पर किसानों और समितियों से अवैध वसूली का खेल चलाया जा रहा था। चर्चा है कि खराब गुणवत्ता वाले गेहूं को पास कराने के बदले रकम तय की जाती थी और यह पैसा नीचे से ऊपर तक पहुंचाने की बात कथित ऑडियो में सुनाई दे रही है।

बताया जा रहा है कि कुछ सर्वेयरों के बीच हुई बातचीत के ऑडियो सोशल मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुपों में तेजी से वायरल हो रहे हैं। इन ऑडियो में कथित तौर पर सुपरवाइजर द्वारा सर्वेयरों को समितियों से पैसों की मांग करने और खराब गेहूं को नियमों के विपरीत पास कराने के निर्देश दिए जाने की चर्चा सामने आई है। यदि वायरल ऑडियो की निष्पक्ष जांच होती है, तो यह मामला प्रदेश स्तर का बड़ा भ्रष्टाचार

शिकायत के बाद हटाया गया सुपरवाइजर

मामले ने उस समय और तूल पकड़ लिया जब एक पूर्व सर्वेयर की शिकायत पर सुपरवाइजर शिवम गुप्ता को कथित लेन-देन और उगाही के आरोपों के चलते हटा दिया गया। हालांकि सवाल यहां भी खड़े हो रहे हैं कि कार्रवाई के बाद जिस शिवम अहिरवार को सुपरवाइजर बनाया गया, उस पर भी पहले कई गंभीर आरोप लग चुके थे और कंपनी द्वारा उसे पूर्व में हटाया भी जा चुका था। ऐसे में यह प्रश्न उठना लाजिमी है कि आखिर विवादों में रहे लोगों को दोबारा जिम्मेदारी क्यों सौंपी जा रही है. क्या कंपनी और जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा पूरे मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

किसानों की कड़ी मेहनत पर डाका

प्रदेश सरकार किसानों को समर्थन मूल्य और पारदर्शी उपार्जन व्यवस्था का भरोसा देती है, लेकिन यदि गुणवत्ता जांच करने वाले ही भ्रष्टाचार में शामिल हो जाएं तो सबसे बड़ा नुकसान किसानों को उठाना पड़ता है। कई किसानों का आरोप है कि सही गेहूं में भी कमी निकालकर दबाव बनाया जाता है, जबकि पैसे लेकर खराब गेहूं को पास कर दिया जाता है।

गणेश जन्म प्रसंग सुन भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

रजोदा रोड स्थित वार्ड क्रमांक 21 के पशुपतिनाथ महादेव मंदिर प्रांगण में आयोजित शिव महापुराण कथा के चतुर्थ दिवस पर कथा वाचक आचार्य पंडित विकास आनंद ऐलिया ने श्रद्धालुओं को धर्म, ज्ञान और भगवान शिव की महिमा का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि मनुष्य के उद्धार के लिए धर्म और ज्ञान से बड़ा कोई दूसरा मार्ग नहीं है। धर्म से विमुख व्यक्ति अधर्मी और अशुद्ध हो जाता है, जबकि शिव महापुराण का श्रवण और अध्ययन मनुष्य के जीवन को पवित्र बनाता है। कथावाचक ने कहा कि भगवान शिव की आराधना मनुष्य को मोक्ष प्रदान करती है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को निर्मल मन से भगवान शिव की उपासना करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि माता पार्वती ने भगवान शिव से परम तत्व के विषय में प्रश्न किया था, जिस पर भगवान शिव ने कहा कि विज्ञान ही परम तत्व है और वह मनुष्य के अंतर्मन में विद्यमान रहता है। लेकिन सांसारिक मोह-माया में उलझा इंसान उसे पहचान नहीं पाता और जीवनभर भटकता रहता है। कथा के दौरान भगवान गणेश के जन्म प्रसंग का विस्तार से वर्णन किया गया। आचार्य ऐलिया ने बताया कि माता पार्वती ने स्नान के समय अपनी सुरक्षा के लिए गणेश जी को द्वार पर पहरा देने के लिए नियुक्त किया था। उसी दौरान भगवान शिव वहां पहुंचे, लेकिन गणेश जी ने उन्हें भीतर जाने से रोक दिया। इससे क्रोधित होकर भगवान शिव ने उनका सिर धड़ से अलग कर दिया। बाद में माता पार्वती के विलाप और देवताओं के आग्रह पर भगवान शिव ने हाथी का सिर लगाकर गणेश जी को पुनर्जीवित किया तथा उन्हें प्रथम पूज्य होने का वरदान दिया। इस प्रसंग के दौरान कथा स्थल हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से गूंज उठा। कथावाचक ने कहा कि यह प्रसंग माता-पिता के सम्मान, आज्ञाकारिता और कर्तव्य पालन की सीख देता है। भगवान गणेश बुद्धि, विवेक और मंगल के प्रतीक हैं, इसलिए हर शुभ कार्य की शुरुआत उनकी पूजा से की जाती है। कथा के दौरान श्रद्धालु भक्ति संगीत और मंत्रोच्चार में लीन रहे। समापन अवसर पर भगवान शिव और गणेश जी की सामूहिक आरती की गई तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की गई। आयोजन स्थल को आकर्षक फूलों एवं विद्युत सजावट से सजाया गया था। कथा के पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों, बुजुर्गों एवं महिला श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की।

नाबालिग का शव घर में फंदे पर लटका मिला

कटनी। दोपहर मेट्रो

जिले के कुठला थाना क्षेत्र में नाबालिग का शव घर में फंदे पर लटका मिला। मृतक की उम्र 15 साल थी। वह ग्राम घनगरी कला का रहने वाला था। परिजन से मिली जानकारी के मुताबिक, दरेश भूमिया पिता अजय भूमिया,घर पर अकेला था। इसी दौरान उसने अपने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद किया और फांसी लगा ली। काफी देर बाद जब परिजन ने उसे फंदे पर लटका देखा, तो तुरंत पुलिस को इसकी खबर दी।सूचना मिलते ही कुठला थाना पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने मौके का मुआयना किया और शव को फंदे से नीचे उतारा। पंचनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

बरसात से पहले नालियों की सफाई की मांग तेज

नपा को पिछले हालात से सीख लेने की जरूरत

उमरिया। दोपहर मेट्रो

नगर पालिका क्षेत्र में बरसात का मौसम नजदीक आते ही नालियों की सफाई को लेकर नागरिकों की चिंता बढ़ने लगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय रहते नालियों की सफाई नहीं कराई गई तो बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति बन सकती है और गंदा पानी घरों में घुसने का खतरा बढ़ जाएगा।

नागरिकों ने बताया कि पिछले वर्षों में कई वार्डों में नालियां जाम होने के कारण बारिश का पानी सड़कों और घरों तक पहुंच गया था, जिससे लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ी थी। कई स्थानों पर जलभराव के कारण आवागमन भी प्रभावित हुआ था। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि नगर पालिका को पिछली घटनाओं से सीख लेते हुए बरसात शुरू होने से पहले सभी प्रमुख नालियों और जल निकासी मार्गों की सफाई करानी चाहिए। साथ ही जिन क्षेत्रों में नियमित रूप से पानी भरता है वहां विशेष अभियान चलाने की आवश्यकता है। लोगों ने मांग की है कि नगर पालिका सफाई व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग करे ताकि बरसात के दौरान शहरवासियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

मेट्रो एंकर फाउंडेशनल स्टेज के अंतर्गत बच्चों की शिक्षा पर दिया विशेष बल

शिशु वाटिका केवल शिक्षा देने का माध्यम नहीं बल्कि संस्कारों की प्रथम पाठशाला है: निखिलेश

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

बालक के जीवन के प्रारंभिक वर्षों में उसके शरीर, मन, बुद्धि एवं भावनात्मक विकास की मजबूत नींव शिशु वाटिका से ही रखी जाती है। शिशु वाटिका केवल शिक्षा देने का माध्यम नहीं बल्कि संस्कारयुक्त एवं बालक-केंद्रित शिक्षा का सशक्त केंद्र बनाया जाना चाहिए। ये आह्वान प्रांतीय फाउंडेशनल स्टेज आचार्य सामान्य एवं दक्षता वर्ग में मुख्य वक्ता निखलेश माहेश्वरी ने शिशु वाटिका का प्रभावी संचालन' विषय पर सरस्वती शिशु मंदिर लिंक रोड पर चल रहे शिक्षार्थी दीदियों को मार्गदर्शन प्रदान करते हुए कही। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा दर्शन प्रत्येक बालक की चिति अर्थात उसकी स्वाभाविक प्रवृत्ति को पहचानने और उसके अनुरूप शिक्षा प्रदान करने की बात करता है। प्रत्येक बालक की

रुचि, क्षमता एवं सीखने की शैली भिन्न होती है। कोई बालक संगीत में रुचि रखता है तो कोई चित्रकला, खेल अथवा अन्य गतिविधियों में – इसलिए शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो बालक के स्वाभाविक विकास को प्रोत्साहित करें।

श्री महेश्वरी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उल्लेख करते हुए बताया कि फाउंडेशनल स्टेज के अंतर्गत 3 से 8 वर्ष तक के बच्चों की शिक्षा पर विशेष बल दिया गया है। यह आयु बालक के सर्वांगीण विकास की सबसे महत्वपूर्ण अवस्था होती है, क्योंकि इसी समय बच्चों की ज्ञानेन्द्रियाँ एवं कर्मेन्द्रियाँ अत्यधिक सक्रिय रहती हैं। यदि इस अवस्था में उचित वातावरण, संस्कार एवं सृजनात्मक शिक्षण पद्धति प्रदान की जाए, तो बालक का व्यक्तित्व सुदृढ़ एवं राष्ट्रहितकारी बन सकता है। उन्होंने शिक्षार्थी दीदियों से आग्रह किया कि वे मातृभाव के साथ बालकों के सर्वांगीण विकास हेतु कार्य करें तथा खेल-खेल में शिक्षा, संस्कार, अनुशासन एवं आत्मीयता के माध्यम से बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं वंदना के साथ किया गया। इस अवसर पर विशेष अतिथि उमेश सोनी, महेश ताम्रकार (प्राचार्य, सांदीपनी विद्यालय), श्रीमती सुरेखा ठाकुर (प्रांत संयोजिका) मुकुटबिहारी शर्मा एवं श्री रामदयाल लहरपुरे (वर्ग पालक अधिकारी)के साथ ही प्रशिक्षार्थी एवं संचालन टोली की दीदियॉ उपस्थित रहीं।

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में बढ़ते बाघों के कुनबे की निगरानी करने में प्रबंधन को होगी आसानी 30 से अधिक हो गई बाघों की संख्या

टाइगर रिजर्व में आएंगे दो नए हाथी, चंदा और नील को मिलेंगे नए साथी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में बाघों का कुनबा तेजी से बढ़ता जा रहा है लेकिन प्रबंधन के पास इनकी निगरानी के लिए मात्र दो ही हाथी हैं हाथियों की कमी के चलते टीम को गश्त और निगरानी में कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है वर्तमान में यहां सिर्फ दो हाथी नील और चंदा की जोड़ी उपलब्ध है जो सुरक्षा व्यवस्था के लिए पूरी तरह से अपर्याप्त है लेकिन अब वन मुख्यालय ने टाइगर रिजर्व को दो हाथी और आवंटित किए हैं जो जल्द ही आ जाएंगे। इससे प्रबंधन को बाघों की निगरानी में सहूलियत होगी और मौजूदा हाथी नील व हथिनी चंदा को नए साथी मिलेंगे टाइगर रिजर्व जब नौरादेही अभयारण्य हुआ करता था तब 2018 में बाघ शिफ्टिंग के दौरान

बाघ-बाघिन (राधा-किशन) के साथ ही बांधवगढ़ से वनराज नामक हाथी और पन्ना से चंदा नामक हथिनी को लाया गया था, लेकिन 2020 में वनराज की मौत हो गई। इसी बीच यहां पर बाघों का कुनबा बढ़ने लगा और निगरानी की जिम्मेदारी एकमात्र हथिनी चंदा पर रही। जनवरी 2022 में बांधवगढ़ से नील नामक एक और हाथी को लाया गया, तब से अब तक चंदा व नील बाघों की निगरानी कर रहे हैं, लेकिन अब बाघों की संख्या बढ़कर 30 से अधिक पहुंच गई है। ऐसे में हाथियों की जरूरत बढ़ गई।

हथिनी चंदा नहीं बन सकती कभी मां

2018 में पन्ना से लाई गई 30 वर्षीय हथिनी चंदा कभी भी मां नहीं बन सकती। दरअसल जब वह पन्ना में थी तो गर्भ में ही उसका बच्चा मृत हो गया था, जिस कारण चंदा का गर्भाशय निकालकर उसकी जान बचाई थी। 2020 में वनराज की मौत के बाद चंदा अकेली हो गई थी, जिससे वह चिड़चिड़ी हो गई थी और उसे छह क्विंटल वजनी जंजीर से बांधना पड़ता था। लेकिन 2022 में नील नामक नए साथी के साथ चंदा फिर से टाइगर रिजर्व में रमी हुई है। दो हाथी और आने से न केवल चंदा को बल्कि नील को भी साथी मिल जाएंगे। दो और हाथी आवंटित, जो शीघ्र ही आ जाएंगे।

हाथियों से किस तरह सुरक्षा में मदद मिलती है

हाथियों पर बैठकर टाइगर रिजर्व के कर्मचारी दूर दूर तक सुरक्षित रूप से नजर रख सकते हैं। हाथी जंगल के विषम इलाकों में भी पहुंच सकते हैं। विषम परिस्थितियों में जब किसी बाघ को ट्रैंकुलाइज किया जाता है, तब इसमें हाथी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे कर्मचारी आसानी से बाघ का रेस्क्यू कर सकते हैं। टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश कुमार सिंह ने बताया कि मुख्यालय से टाइगर रिजर्व के लिए दो हाथी और आवंटित किए गए हैं जो शीघ्र ही आ जाएंगे।

खाइयों, गुफाओं में बाघों को खोजने में हाथियों की भूमिका

बाघों के कुनबे की निगरानी के लिए टाइगर रिजर्व में वाहन भी लगे हैं जो बाघ-बाघिन का लगातार पीछा करके आईडी कॉलर के माध्यम से लोकेशन प्राप्त करते रहते हैं लेकिन कई बार लोकेशन टूट जाती है जिससे वन महकमे के अधिकारियों की सांसें फूल जाती हैं साथ ही कई बाघ बाघिन और शावक बिना कॉलर आईडी रिजर्व में विचरण कर रहे हैं वाहन उन खाइयों और पहाड़ की गुफाओं तक नहीं पहुंच पहुंच पाते जहां बाघ होते हैं या उनकी लोकेशन प्राप्त होती है। तब वन अमला हाथियों पर सवार होकर बाघों को खोजता है और हाथी बाघ को देखकर चिंघाड़ देते हैं, जिससे विभाग को बाघों की लाइव लोकेशन प्राप्त हो जाती है।

न्यूज विंडो

खनिज राजस्व चोरी का आरोप शासन को 2.34 लाख का नुकसान

अमरकंटक। अमरकंटक से कपिलधारा मार्ग पर डाली गई मिट्टी को लेकर खनिज राजस्व चोरी का मामला सामने आया है। आरोप है कि सड़क निर्माण कार्य में उपयोग की गई लगभग 4680 घनमीटर मिट्टी बिना वैध रॉयल्टी एवं अनुमति के डाली गई। जानकारी के अनुसार मिट्टी पर निर्धारित खनिज राजस्व लगभग 50 प्रति घनमीटर है। इस आधार पर अनुमानित 2 लाख 34 हजार रुपये के राजस्व नुकसान की बात कही जा रही है। स्थानीय लोगों ने मामले की जांच कर जिम्मेदार ठेकेदार एवं संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य में उपयोग की गई मिट्टी का वैध खनिज परमिट और रॉयल्टी जमा नहीं की गई है, तो यह सीधे तौर पर शासन के राजस्व को नुकसान पहुंचाने का मामला है। लोगों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की है।

महिला ने घर में फांसी लगाकर दी जान, पुलिस जांच में जुटी

तेंदूखेड़ा। ग्राम मोहड़ में एक महिला ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाई आत्महत्या कर लेने का मामला सामने आया है घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर आगे की कार्रवाई की गई घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार पार्वती पति रामलाल गौड़ उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम मोहड़ थाना तेंदूखेड़ा है जिसने अज्ञात कारणों के चलते अपने ही घर के अंदर फांसी लगाकर जान दे दी है महिला के परिजनों ने बताया कि घर अन्य लोग खेत और जंगल गए हुए थे जब? वो वापस लौटते तो महिला का घर के अंदर लटका हुआ था पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतारा और पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम हेतु तेन्दूखेड़ा लाया गया जहां पर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

धार में लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई

1 लाख रुपये की रिश्वत लेते डीपीसी रंगे हाथों गिरफ्तार

शौचालय निर्माण के पूर्णता प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने के एवज में मांगी थी 17 लाख की घूस

धार। दोपहर मेट्रो

इंदौर लोकायुक्त पुलिस ने जिला शिक्षा केन्द्र धार के जिला परियोजना समन्वयक प्रदीप कुमार खरे को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। उक्त कार्रवाई समग्र शिक्षा केन्द्र के कार्यालय में की गई, जहां आरोपी अधिकारी एक निर्माण कार्य के पूर्णता प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने के एवज में यह घूस ले रहा था।

लोकायुक्त पुलिस के अनुसार, समग्र शिक्षा अभियान के तहत धार जिले के विभिन्न शासकीय विद्यालय परिसरों में 122 शौचालयों के निर्माण का कार्य चल रहा है। इस प्रोजेक्ट के लिए लगभग 3 करोड़ 42 लाख रुपये स्वीकृत हुए थे। शिकायतकर्ता दिलीप साधव जो कि जिला शिक्षा केन्द्र धार में प्रभारी सहायक यंत्री के पद पर पदस्थ हैं और इस प्रोजेक्ट का सुपरविजन कर रहे थे। दिलीप साधव ने लोकायुक्त को बताया कि आरोपी प्रदीप कुमार खरे निर्माण कार्य पूरा होने से पहले ही कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने का दबाव बना रहे थे। इसके एवज में आरोपी द्वारा कुल प्रोजेक्ट राशि का 5 प्रतिशत, यानी 17 लाख रुपये बतौर कमीशन रिश्वत मांगा जा रहा था। परेशान होकर आवेदक दिलीप साधव ने इंदौर लोकायुक्त कार्यालय में पुलिस अधीक्षक राजेश सहाय से इसकी शिकायत की।

शिकायत के सत्यापन में तथ्य सही पाए जाने पर आज लोकायुक्त की एक विशेष ट्रैप टीम का गठन किया गया। योजना के मुताबिक, जैसे ही शिकायतकर्ता ने कार्यालय समग्र शिक्षा केन्द्र में आरोपी डीपीसी प्रदीप कुमार खरे को रिश्वत की पहली किश्त के रूप में 1 लाख रुपये दिए, वहां पहले से मुस्तैद लोकायुक्त की टीम ने उन्हें रंगे हाथों दबोच लिया। आरोपी अधिकारी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 2018 की धारा 7 के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के ट्रैप दल में कार्यवाहक निरीक्षक सचिन पटेरिया, कार्यवाहक प्रआर आशीष शुक्ला, आरक्षक विजय कुमार, आरक्षक कमलेश परिहार, मनीष माथुर, श्रीकष्णा अहिरवार, प्रभात मोरे शामिल थे, आगे की कार्रवाई सर्किट हाऊस पर की जा रही है।

मनावर में विस्फोटक मैगजीन और पटाखा गोदामों का सघन निरीक्षण, दी सख्त हिदायत

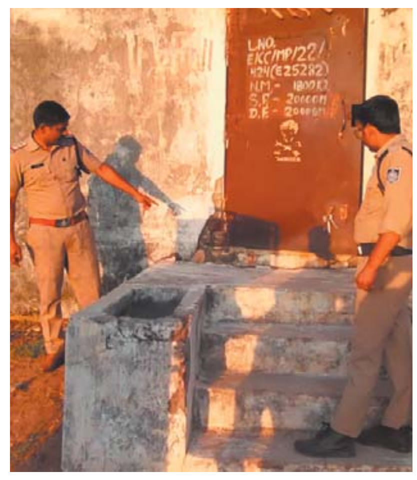

धार। दोपहर मेट्रो

देवास जिले के टोंककला में पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट के बाद स्थानीय पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। मनावर एसडीओपी और अनुभाग के सभी थाना प्रभारियों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों में स्थित विस्फोटक मैगजीन, पटाखा दुकानों और गोदामों की सघन जांच अभियान चलाया है।

एसपी सचिन शर्मा के मार्गदर्शन व एसडीओपी ब्रजेश मा?लवीय के निर्देशन में पुलिस अधिकारियों ने अनुभाग के अंतर्गत आने वाले ग्राम टोकी, लंगुर और झापड़ी स्थित विस्फोटक गोदामों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। इसके साथ ही ग्राम देवला स्थित पटाखा गोदाम की भी बारीकी से जांच की गई। पुलिस टीम ने यह सुनिश्चित किया कि विस्फोटक सामग्री का भंडारण तय नियमों और सुरक्षा मानकों के अनुरूप किया जा रहा है या नहीं। मनावर के अलावा थाना गंधवानी और धरमपुरी पुलिस ने भी अपने-अपने क्षेत्रों की पटाखा दुकानों और गोदामों का निरीक्षण किया। सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ ही पुलिस ने संबंधित संचालकों को सख्त हिदायत दी है। संचालकों को दिए गए सख्त निर्देश कि भंडारण में सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए। अग्नि शमन यंत्र और आपातकालीन सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रखे जाएं। किसी भी प्रकार की लापरवाही पर सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

हाईवा की टक्कर से गेहूं से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली पलटी, तीन किसान घायल, दो जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र में सड़क हादसे थमने के नाम नहीं ले रहे हैं आए दिन मार्गों पर तेज रफ्तार के कारण दुर्घटनाएं घटित हो रही हैं। हादसे लोग घायल हो रहे हैं या फिर अपनी जान गंवा रहे हैं फिर भी वाहनों की रफ्तार पर कंट्रोल नहीं किया जा रहा हैं या फिर शराब के नशे में चूर हो कर सामने आ रहे वाहनों को टक्कर मारते हुए मौके से फरार हो रहे हैं। ऐसा ही घटनाक्रम सोमवार की सुबह 10 बजे थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुआ है जब एक तेज रफ्तार हाईवा ने गेहूं से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे

में ट्रैक्टर-ट्रॉली बेकाबू होकर सड़क किनारे पलट गई उसमें सवार तीन किसान गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें प्राइवेट वाहन की मदद से नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। हादसा तेंदूखेड़ा पाटन मार्ग पर नरगुवा की घाट पर हुआ मार्ग से गुजरे रहे प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसा इतना भीषण था कि हाईवे की टक्कर से ट्रैक्टर किसानों के ऊपर ही पलट गया और ट्राली खड़ी हो गई। हादसा उस समय हुआ जब किसान अपनी फसल को अपने गांव रिचकुडी से बेचने के लिए तेंदूखेड़ा मंडी आ रहे थे सुबह करीब 10 बजे हुए हादसे में ट्रैक्टर के पहिए ऊपर उठ गए और वह बीच सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद हाईवा चालक मौके से वाहन लेकर फरार हो गया है स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद ट्रैक्टर के नीचे दबे घायलों को बाहर निकाला और स्वास्थ्य केंद्र भेजा।

इस हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं जिनमें धर्मेंद्र पिता मनोज पाल उम्र 15 वर्ष मनोज पिता लख्खू पाल उम्र 40 वर्ष कल्लू पिता हल्लू यादव उम्र 40 वर्ष तीनों घायल किसान रिचकुडी महगुवा गांव के निवासी हैं जो अपनी फसल को बेचने के लिए मंडी आ रहे थे हादसे में तीनों के सिर और हाथ पैरों में गंभीर चोटें आई हैं।

मेट्रो एंकर | 24 लाख से अधिक आबादी के सात लाख घरों में पहुंचे प्रगणक

एचएलबी की संख्या में कार्य पूर्ण करने वाला सागर मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान पर

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले में मकान गणना का महाअभियान तीव्र गति से संचालित किया जाकर मात्र 15 दिनों में शत-प्रतिशत पूरा किया गया. एचएलबी की संख्या में कार्य पूर्ण करने वाला सागर को मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान पर ले गया, जो एक नया कीर्तिमान है। जिले की 24 लाख से अधिक की आबादी के साथ सात लाख मकानों की गणना का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया है। प्रशासनिक स्तर पर की जा रही सतत मॉनिटरिंग के फलस्वरूप जिले के 4362 से अधिक एचएलबी में मकान गणना का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी अविनाश रावत, नगर निगम कमिश्नर राजकुमार खत्री सहित समस्त चार्ज अधिकारियों के साथ सभी प्रगणकों एवं इस कार्य में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से लगे अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई दी एवं कहा कि यह जनगणना का प्रथम चरण था, अब दूसरे चरण में भी इसी प्रकार समय सीमा में कार्य पूर्ण करना है।

उन्होंने कहा कि 1 मई से प्रारंभ हुई मकान गणना का कार्य विधिवत 2 मई से शुरू हुआ और 15 मई को पूरा हुआ। कलेक्टर ने बताया कि मध्य प्रदेश जनसंख्या जनगणना निदेशालय के निर्देशानुसार कार्य करते हुए सभी चार्ज अधिकारियों की लगातार मॉनिटरिंग की गई और चार्ज अधिकारियों द्वारा अपने-अपने प्रगणकों की मॉनिटरिंग करते हुए यह कार्य किया गया। एनआईसी के अधिकारी डेलन प्रजापति ने बताया मध्य प्रदेश में सबसे अधिक एचएलबी होने के बाद भी समय सीमा से 15 दिवस पूर्व ही कार्य संपन्न हुआ है। उन्होंने बताया कि जिले में नगर निगम क्षेत्र को छोड़कर शेष संपूर्ण जिले में 6 लाख 98 हजार 781 मकानों की गणना प्रस्तावित थी, किंतु हमारे प्रगणकों द्वारा 7 लाख 720 मकानों पर मकान गणना की गई, जिसमें 24 लाख 27 हजार 473 आबादी की गणना भी अंकित की गई। निगम कमिश्नर राजकुमार खत्री द्वारा नगर निगम क्षेत्र की 439 एचएलबी के माध्यम से कार्य किया जा रहा है, जिसमें से 390 एचएलबी का कार्य पूर्ण हो गया है। शेष कार्य सोमवार तक पूरा होगा।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री,
राजधानी परियोजना खण्ड क्रमांक-2
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, जल विहार कालोनी, कोलार रोड, भोपाल

ई मेल eephedcp2bpl@mp.gov.in

निविदा क्र. 25,26,27,28,29,30,31,32/का.यं. / रा.परि. खण्ड-2/लोस्वायांवि/ भोपाल दिनांक 15/05/26

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य की निविदा ई-टेण्डरिंग पद्धति से ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://mptenders.gov.in पर आमंत्रित है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि (रू. लाख में)	धरोहर राशि (रूपये)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2026_PHED_507495	Replacement of 300 mm dia RCC sewer line with repairing of damaged manhole chamber i/c de silting and cleaning of manholes and sewer line at Section No. 2 of Sub Div-5, Bhopal	9,82,163=00	19,643=00	2,000=00	30 Days
2	2026_PHED_507496	Repairing of damaged manhole chamber with cleaning of manholes and sewer line at New Basera Kotra Network Area Bhopal	7,05,378=00	14,108=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
3	2026_PHED_507498	Removing of weeds from facultative pond and cleaning of jungle i/e uprooting of rank vegetation, grass including surface dressing at Ekant Park Oxidation Pond, Bhopal	5,02,348=00	10,047=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
4	2026_PHED_507499	Repairing and Rising of damaged manhole chamber i/c de silting and cleaning of manholes and sewer line Connected network of Banganga S.P.H. Section-C Jahangirabad Sub Dn-6, Bhopal	8,14,317=00	16,286=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
5	2026_PHED_507500	Replacement of 500 mm dia RCC sewer line with construction and raising of new Manholes chamber i/c de silting and cleaning of manholes and sewer line at Section No.3 of Sub Div-5, Bhopal	8,66,593=00	17,332=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
6	2026_PHED_507501	Replacement of 200 mm dia SW RCC sewer line with repairing of damaged manhole chamber i/c de silting and cleaning of manholes and sewer line at Ginnori Sewage Network, Bhopal	6,60,925=00	13,219=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
7	2026_PHED_507502	Repairing of damage manhole chambers with cleaning and de silting of manholes near Campion School, Hotel Management Campus, Raja Bhoj School and F Block of 1100 Qtrs Area, Bhopal	6,50,843=00	13,017=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
8	2026_PHED_507503	Cleaning and De silting work of Anaerobic Pond No. 2 at Kotra Sewage Treatment Plant, Bhopal	7,93,368=00	15,867=00	2,000=00	30 Days Including rainy season

- निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि एवं धरोहर राशि एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज आनलाईन प्रस्तुत करने होगे एवं अन्य समस्त विस्तृत जानकारी mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।
- निविदा संशोधन केवल वेबसाइट पर ही दर्शाया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नही किया जावेगा।
- निविदा क्रय करने की अंतिम तिथि 01.06.2026 है।

कार्यपालन यंत्री
राजधानी परियोजना खण्ड क्र.-2, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, भोपाल

जी-13092/26

दोनों पर हेड कोच गंभीर की राय होगी निर्णायक

सूर्यकुमार की कप्तानी खतरे में? पंत की भूमिका पर भी उठ रहे बड़े सवाल

मुंबई, एजेंसी

टीम इंडिया के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का भविष्य अब सवालों के घेरे में नजर आ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुवाहाटी में होने वाली बीसीसीआई की अहम बैठक में मुख्य कोच गौतम गंभीर की राय बेहद अहम मानी जाएगी। सूर्यकुमार की खराब फॉर्म और आईपीएल 2026 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद चयनकर्ता टी20 कप्तानी के भविष्य पर चर्चा कर सकते हैं। वहीं, टेस्ट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं।

बीसीसीआई चयन समिति आज गुवाहाटी में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का चयन करेगी। हालांकि इस दौरे पर कोई टी20 मुकाबला नहीं खेला जाएगा, लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार चयनकर्ता भविष्य की टी20 योजनाओं और कप्तानी को लेकर अनौपचारिक चर्चा कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि सूर्यकुमार यादव की हालिया फॉर्म और मुंबई इंडियंस के साथ आईपीएल 2026 में खराब प्रदर्शन ने उनकी कप्तानी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यही वजह है कि चयनकर्ता अब टी20 कप्तानी के अगले विकल्पों पर भी विचार कर सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर की राय इस पूरे मामले में निर्णायक साबित हो सकती है। टी20 विश्व कप जीत के बाद यह पहली चयन बैठक होगी, इसलिए टीम मैनेजमेंट भविष्य की रणनीति पर गंभीरता से विचार करेगा। चयनकर्ता आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए संभावित टी20 खिलाड़ियों पर भी चर्चा कर सकते हैं। ऐसे में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी बरकरार रहेगी या नहीं, इस पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी।

पंत के भविष्य को लेकर चयन समिति कर सकती है चर्चा

सिर्फ सूर्यकुमार ही नहीं, बल्कि ऋषभ पंत के भविष्य को लेकर भी चयन समिति में गंभीर चर्चा हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि टेस्ट क्रिकेट में उपकप्तानी की जिम्मेदारी पंत के खेल पर असर डाल रही है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, भारतीय क्रिकेट ऋषभ पंत जैसे मैच विनर बल्लेबाज को खोने का जोखिम नहीं उठा सकता। उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से कई टेस्ट मैच जिताए हैं। लेकिन जब भी उन्हें अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई, बल्लेबाजी के दौरान उनके फैसले बेहतर नहीं दिखे। सूत्र ने आगे कहा, चयन समिति के दिमाग में यह बात जरूर होगी कि उन्हें खुलकर खेलने का मौका दिया जाए।

वनडे टीम में बढ़ सकती है मुश्किल

वनडे सेटअप में भी पंत की जगह पूरी तरह सुरक्षित नहीं मानी जा रही। केएल राहुल फिलहाल पहली पसंद विकेटकीपर माने जा रहे हैं, जबकि ध्रुव जुरेल, संजू सैमसन और ईशान किशन भी मजबूत दावेदार हैं। ऐसे में आने वाले महीनों में भारतीय टीम में कई बड़े फैसले देखने को मिल सकते हैं। इस बीच, अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में जसप्रीत बुमराह की उपलब्धता बीसीसीआई की मेडिकल टीम की मंजूरी पर निर्भर करेगी। अगर मेडिकल बोर्ड बुमराह के वर्कलोड को सुरक्षित मानता है, तो वह हश्मतुल्लाह शाहिदी की टीम के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेल सकते हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, अगर मेडिकल टीम बुमराह के वर्कलोड को तय सीमा के भीतर मानती है, तो वह अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच खेल सकते हैं। सूत्र ने आगे कहा, लेकिन उनके वनडे सीरीज खेलने की कोई संभावना नहीं है। अगर वर्कलोड को लेकर जरा सी भी चिंता हुई, तो उन्हें पूरी सीरीज के लिए आराम दिया जाएगा।

बांग्लादेशी क्रिकेटर ने सुनाई दर्दभरी कहानी

एक मैच, एक मैसेज और खत्म हो गया आईपीएल का सफर

नई दिल्ली , एजेंसी

बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास ने इंडियन प्रीमियर लीग में कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ अपने छोटे, लेकिन निराशाजनक सफर को लेकर बड़ा खुलासा किया है। लिटन ने पहली बार खुलकर बताया कि केकेआर में उन्हें कभी वह भरोसा और समर्थन महसूस नहीं हुआ, जिसकी वह उम्मीद लेकर आईपीएल खेलने पहुंचे थे। लिटन ने यहां तक कह दिया कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ जैसे फ्रेंचाइजी को उनकी असल में जरूरत ही नहीं थी। सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि उन्हें अपने इकलौते आईपीएल मैच से ठीक पहले रात 11 बजे अचानक मैसेज मिला कि वह अगले दिन प्लेइंग-11 का पार्ट होंगे।

बांग्लादेश क्रिकेट के चार छोक्का पॉडकास्ट में बात करते हुए लिटन दास ने केकेआर मैनेजमेंट की कम्युनिकेशन पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा, मुझे लगा कि केकेआर को मेरी जरूरत नहीं थी। टीम ने मुझे उस तरह सपोर्ट नहीं किया, जैसी मुझे उम्मीद थी। लिटन ने बताया कि वह लगातार दो मैच बाहर बैठे रहे, लेकिन किसी ने यह तक नहीं बताया कि उन्हें कब मौका मिलेगा। लिटन दास कहते हैं, आमतौर पर खिलाड़ियों को पहले से बता दिया जाता है कि वह अगला मैच खेलने वाले हैं। लेकिन मेरे साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ। अचानक रात 11 बजे मैसेज आया कि तुम कल खेलोगे। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर केकेआर टीम मैनेजमेंट को लेकर बहस तेज हो गई है।

लिटन दास ने 20 अप्रैल 2023 को दिल्ली कैपिटल्स (ष्ठष्ट) के खिलाफ अपना आईपीएल डेब्यू किया था। उन्होंने तब जेसन रॉय के साथ ओपनिंग की, लेकिन सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गए। विकेटकीपिंग में भी उनसे कुछ बड़ी गलतियां हुईं, जिसमें अहम स्टम्पिंग के मौके छोड़ना शामिल था। केकेआर वह मुकाबला चार विकेट से हार गई थी और उसके बाद लिटन को दोबारा मौका नहीं मिला।

मैंने अपनी पूरी कोशिश की

अपने खराब डेब्यू को याद करते हुए लिटन दास ने कहा, %मैंने अपनी पूरी कोशिश की। क्रिकेट में कभी चीजें आपके साथ होती हैं, कभी नहीं। वह दिन मेरा नहीं था।% उस समय केकेआर लगातार अपनी प्लेइंग-11 और विदेशी खिलाड़ियों के कॉम्बिनेशन में बदलाव कर रही थी। शाकिब अल हसन पहले ही टूर्नामेंट छोड़ चुके थे, जबकि जेसन रॉय को रिप्लेसमेंट के तौर पर लाया गया था। लिटन दास का ढ्ढक्करु सफर सिर्फ एक मैच तक सीमित रह गया। कुछ समय बाद पारिवारिक मेडिकल इमरजेंसी के कारण उन्हें बांग्लादेश लौटना पड़ा। उस समय केकेआर ने बयान जारी कर कहा था, लिटन दास को पारिवारिक मेडिकल इमरजेंसी के कारण वापस बांग्लादेश जाना पड़ा है। हमारी शुभकामनाएं उनके और उनके परिवार के साथ हैं। बाद में केकेआर ने उनकी जगह जॉनसन चार्ल्स को टीम में शामिल किया था। लिटन दास का आईपीएल करियर भले ही सिर्फ एक मैच का रहा हो, लेकिन उनके ताजा बयान ने केकेआर टीम मैनेजमेंट और खिलाड़ियों के साथ व्यवहार पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

विनेश की याचिका पर हाई कोर्ट ने डब्ल्यूएफआई को जारी किया नोटिस, 6 जुलाई को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय पहलवान विनेश फोगाट की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को नोटिस जारी किया है। डब्ल्यूएफआई ने हाल ही में विनेश को कारण बताओ नोटिस जारी किया था और जून 2026 तक घरेलू टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए अयोग्य घोषित किया था। विनेश ने इस नोटिस को चुनौती दी थी जिस पर हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। विनेश डब्ल्यूएफआई के इस फैसले से खुश नहीं थीं और उन्होंने कारण बताओ नोटिस जारी करने और आने वाले खेलों के लिए होने वाले ट्रायल में उनका नाम शामिल नहीं करने को चुनौती दी थी। विनेश की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने फौरी राहत देने से इनकार कर दिया और छह जुलाई को अगली सुनवाई करने का फैसला किया। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने महासंघ को निर्देश दिया कि कारण बताओ नोटिस को छह जुलाई तक

तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचाए और उनके समक्ष फैसला रखें। अदालत ने अयोग्यता को लेकर विनेश की याचिका पर डब्ल्यूएफआई और केंद्र को नोटिस दिए हैं और कहा कि इस मामले में प्रतिस्पर्धी हितों के बीच संतुलन बनाये रखना जरूरी है। विनेश की ओर से सीनियर अधिवक्ता ने कहा कि उन्हें 30 और 31 मई को होने वाले एशियाई खेलों के ट्रायल में भाग लेने दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जहां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मातृत्व अवकाश पर गई महिला एथलीटों की रैंकिंग और दर्जे को सुरक्षित रखा जाता है, वहीं डब्ल्यूएफआई की नवीनतम नीति ने उन्हें इससे बाहर रखा है।

क्यों भेजा था नोटिस

डब्ल्यूएफआई ने हाल ही में अनुशासनहीनता और डोपिंग विरोधी नियमों के उल्लंघन के आरोपों पर विनेश को नोटिस भेजा था। इतना ही नहीं विनेश जून 2026 तक घरेलू टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए अयोग्य घोषित की गईं क्योंकि उन्होंने यूडब्ल्यूडब्ल्यू के डोपिंग रोधी नियम के तहत संन्यास से वापसी के बाद जरूरी छह महीने का नोटिस पीरियड नहीं दिया है। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने अपने पत्र में यह भी स्पष्ट किया था कि यदि विनेश दोबारा कुश्ती में वापसी करना चाहती हैं, तो उन्हें आईटीए या इंटरनेशनल फेडरेशन को कम से कम छह महीने पहले सूचना देनी होगी और इस दौरान एंटी-डोपिंग टेस्टिंग के लिए उपलब्ध रहना होगा। 15 पन्नों के नोटिस में, डब्ल्यूएफआई ने आरोप लगाया था कि विनेश के आचरण ने राष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदा किया है जिससे भारतीय कुश्ती की छवि को नुकसान पहुंचा है।

अफ्रीकी खिलाड़ी से भिड़ गए संजू सैमसन

इंडियन प्रीमियर लीग2026 में सोमवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए हाईवोल्टेज मुकाबले के दौरान चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद (स्क्रा।) के खिलाड़ियों के बीच मैदान पर तनाव देखने को मिला। सीएसके के विकेटकीपर संजू सैमसन और एसआरएच के स्टार बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन के बीच हुई तीखी बहस ने तो मैच का माहौल पूरी तरह गरमा दिया। यह घटना सनराइजर्स हैदराबाद की पारी के 15वें ओवर में हुई। दोनों खिलाड़ियों के बीच कुछ सेकंड तक तीखी बहस चली। साउथ अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन पवेलियन की ओर लौटते वक्त भी पीछे मुड़कर लगातार कुछ कहते नजर आए, जिससे साफ था कि मामला सिर्फ मजाक तक सीमित नहीं था।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

गैट्सबी की दुनिया में खोईं पूजा भट्ट

विंटेज अंदाज ने जीता फैंस का दिल ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर ने बढ़ाई चर्चा

मुंबई। अभिनेत्री पूजा भट्ट एक बार फिर अपने अनोखे अंदाज और बेबाक व्यक्तित्व को लेकर चर्चा में हैं। सोमवार को उन्होंने सोशल मीडिया पर एक ऐसी तस्वीर साझा की, जिसने फैंस को 1920 के दशक की 'जैज एज' की याद दिला दी। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई ब्लैक एंड व्हाइट फोटो में पूजा का लुक बेहद क्लासिक और विंटेज नजर आया। तस्वीर में उनकी गहरी आंखें, आत्मविश्वास से भरा एक्सप्रेशन और पुरानी हॉलीवुड शैली की झलक लोगों को खूब पसंद आ रही है।

पूजा ने इस तस्वीर के साथ दिलचस्प कैप्शन भी लिखा- ÷ओह! काश मैं गैट्सबी की दुनिया में रहने वाली एक फ्लैपर गर्ल होती।÷ उनके इस पोस्ट के बाद सोशल उमकपं पर फैंस लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कई यूजर्स ने उनके अंदाज को ÷एवरग्रीन÷ और ÷रॉयल÷ बताया।

पूजा भट्ट की यह पोस्ट मशहूर उपन्यास जेम द ग्रेट गैट्सबी से प्रेरित मानी जा रही है। अमेरिकी लेखक एफ. स्कॉट फिट्जगेराल्ड द्वारा लिखा गया यह उपन्यास वर्ष 1925 में प्रकाशित हुआ था और आज भी विश्व साहित्य की कालजयी कृतियों में गिना जाता है। कहानी 1920 के दशक के अमेरिका की चमक-दमक, अमीरी और खोखले सपनों को दर्शाती है।

इस उपन्यास पर कई फिल्में और नाटक बन चुके हैं, लेकिन वर्ष 2013 में रिलीज हुई फिल्म जेम महान गैट्सबी ने खास लोकप्रियता हासिल की थी। इसमें लियोनार्डो डिकैप्रियो ने रहस्यमयी करोड़पति जे गैट्सबी का किरदार निभाया था। फिल्म की भव्यता, फैशन और भावनात्मक कहानी आज भी दर्शकों के बीच चर्चित है।

90 के दशक की चर्चित अभिनेत्री रहीं पूजा

पूजा भट्ट ने हिंदी सिनेमा में अपनी अलग पहचान 1990 के दशक में बनाई। उन्होंने महज 17 साल की उम्र में फिल्म डैडी से अभिनय की शुरुआत की थी। इस फिल्म का निर्देशन उनके पिता महेश भट्ट ने किया था। पहली ही फिल्म के लिए पूजा को 'लक्स न्यू फेस ऑफ द ईयर' पुरस्कार मिला था। इसके बाद उन्होंने दिल है कि मानता नहीं, सड़क, और वीकेएसजे जख्म जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय कर दर्शकों का दिल जीता। सिर्फ अभिनय ही नहीं, पूजा भट्ट ने निर्देशन के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने पापा और जिस्म 2 जैसी फिल्मों का निर्देशन किया।

भारत में एक्टर्स को अपने ही लोग बुरी तरह ट्रोल करते हैं, यह शर्मनाक है , अमीषा ने दिखाया आईना

अभिनेत्री अमीषा पटेल एक्टिंग के साथ ही कई मुद्दों पर भी खुलकर अपनी राय रखती नजर आती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने सोशल मीडिया पर लोगों के ट्रोलिंग कल्चर पर तीखा हमला बोला। अमीषा का कहना है कि भारत में एक्टर्स को अपने ही लोग हॉलीवुड सितारों से ज्यादा बुरी तरह ट्रोल करते हैं, जो बेहद दुखद और शर्मनाक है।

अमीषा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि भारतीय मानसिकता अब दूसरों को नीचे गिराने वाली हो गई है। अमीषा ने बड़े इवेंट्स में सितारों के लुक और पहनावे को लेकर फैल रही नकारात्मकता पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने इसे ÷दुखद÷ और ÷शर्मनाक÷ बताया। अमीषा ने लिखा, ÷भारत में एक्टर्स को अपने ही लोग, हॉलीवुड सितारों की तुलना में उनके अपने देश में ज्यादा बुरी तरह ट्रोल करते हैं, जो बहुत दुख की बात है।हालांकि, ये कोई पहली बार नहीं है, जब अमीषा पटेल खुलकर अपनी बात रखती नजर आईं। इससे पहले वह एक्टर्स के पीआर गेम को लेकर पहले भी सुर्खियों में रह चुकी हैं। उन्होंने हाल ही में अपने एक्स पोस्ट पर कहा कि वे अपने बयान पर पूरी तरह कायम हैं। दरअसल, मुंबई में पैपराजी

से बात करते हुए अमीषा ने कहा था, ÷सही तो कहा मैंने। आजकल सभी अपने आप को नंबर वन समझते हैं।÷ अमीषा ने एक्स पोस्ट पर यंग एक्टर्स पर तंज कसते हुए लिखा था कि जिन्होंने अभी तक कोई 200 करोड़ क्लब की फिल्म नहीं दी है, वे पीआर टीम को पैसे देकर खुद को नंबर 1 और नंबर 2 बता रही हैं। अमीषा ने साफ कहा, ÷खुद को सुपरस्टार तभी कहो, जब तुमने कोई ऐसा काम किया हो जो इतिहास रच दे। पीआर के खेल खेलना बंद करो।

मेट्रो बाजार

भारत का निर्यात वित्त वर्ष 27 में एक ट्रिलियन डॉलर पहुंचने की उम्मीद : पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भारत ने अगले पांच वर्षों के लिए 2 ट्रिलियन डॉलर के निर्यात का लक्ष्य रखा है, जबकि वित्त वर्ष 2027 के लिए कुल निर्यात लक्ष्य 1 ट्रिलियन डॉलर निर्धारित किया गया है। अमेरिकी टैरिफ विवाद और भू-राजनीतिक तनावों के कारण वैश्विक बाजारों में मौजूद अनिश्चितताओं के बावजूद, वित्त वर्ष 2026 में भारत का कुल वस्तु एवं सेवा निर्यात बढ़कर सर्वकालिक उच्च स्तर 863 अरब डॉलर पर पहुंच गया। मंत्री ने कहा कि यूक्रेन युद्ध और ईरान युद्ध के कारण मध्य पूर्व तनावों से उत्पन्न वैश्विक भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारत एक उज्ज्वल पक्ष बना हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत के मुक्त व्यापार समझौते अब वैश्विक व्यापार के दो-तिहाई से अधिक हिस्से को कवर करते हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि ओमान के साथ भारत का मुक्त व्यापार समझौता 1 जून से प्रभावी होने की उम्मीद है, जबकि अन्य देशों के साथ हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौते भी कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद इस वर्ष लागू होने की संभावना है। भारत और ओमान ने 18 दिसंबर, 2025 को एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) पर हस्ताक्षर किए, जिससे वस्त्रों सहित अधिकांश भारतीय निर्यातों को शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त हुई। सीईपीए के तहत भारत को ओमान की 98.08 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शून्य शुल्क पहुंच प्राप्त है, जो मूल्य के हिसाब से भारतीय निर्यातों के 99.38 प्रतिशत को कवर करती है।

एआई-आधारित साइबर सुरक्षा, बाजार की विश्वसनीयता पर खतरे से जोखिम : सेबी

मुंबई । सेबी यानी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) के चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित साइबर सुरक्षा खतरे भारत के वित्तीय बाजारों के सामने सबसे बड़े जोखिमों में से एक बनकर उभर रहे हैं। उन्होंने बाजार व्यवस्था में इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर सिस्टम की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए आक्रामक कदम उठाने की जरूरत बताई। सेबी प्रमुख ने कहा कि फिलहाल एआई टूल्स को लेकर सबसे बड़ी चिंता बाजार में हेरफेर या एल्गोरिदमिक ट्रेडिंग नहीं, बल्कि साइबर सुरक्षा कमजोरियों को लेकर है।

पांडे ने कहा कि वित्तीय बाजार बड़े पैमाने पर सॉफ्टवेयर सिस्टम पर निर्भर हैं और यदि साइबर सुरक्षा ढांचे में कोई कमजोरी रह जाती है तो उसका गलत इस्तेमाल बाजार की विश्वसनीयता के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। उन्होंने कहा, ÷हाल के समय में एआई टूल्स को लेकर ज्यादातर चिंताएं साइबर सुरक्षा से जुड़ी हैं। जैसा कि आप जानते हैं, बाजार काफी हद तक सॉफ्टवेयर सिस्टम पर निर्भर करते हैं। अगर साइबर सुरक्षा कमजोर पड़ती है या सॉफ्टवेयर में खामियां मिलती हैं, तो साइबर हमलों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे हमले सफल होने पर बाजार की विश्वसनीयता को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने वित्तीय बाजारों में इस्तेमाल होने वाले सभी सॉफ्टवेयर, खासकर थर्ड-पार्टी वेंडर्स द्वारा उपलब्ध कराए गए सिस्टम के लिए मजबूत सुरक्षा उपायों की जरूरत पर जोर दिया। पांडे ने कहा, ÷नियामकों और बाजार से जुड़े सभी पक्षों को मजबूत सुरक्षा व्यवस्था, आक्रामक पैच मैनेजमेंट और लगातार कमजोरियों की जांच सुनिश्चित करनी होगी।÷ उन्होंने आगे कहा, ÷हमें पहले से ही यह सुनिश्चित करना होगा कि जिन भी सॉफ्टवेयर सिस्टम का इस्तेमाल किया जा रहा है, वे पूरी तरह सुरक्षित हों।

प्रदूषण से मुक्तिः स्नान योग्य हुई गंगा की पावन धारा

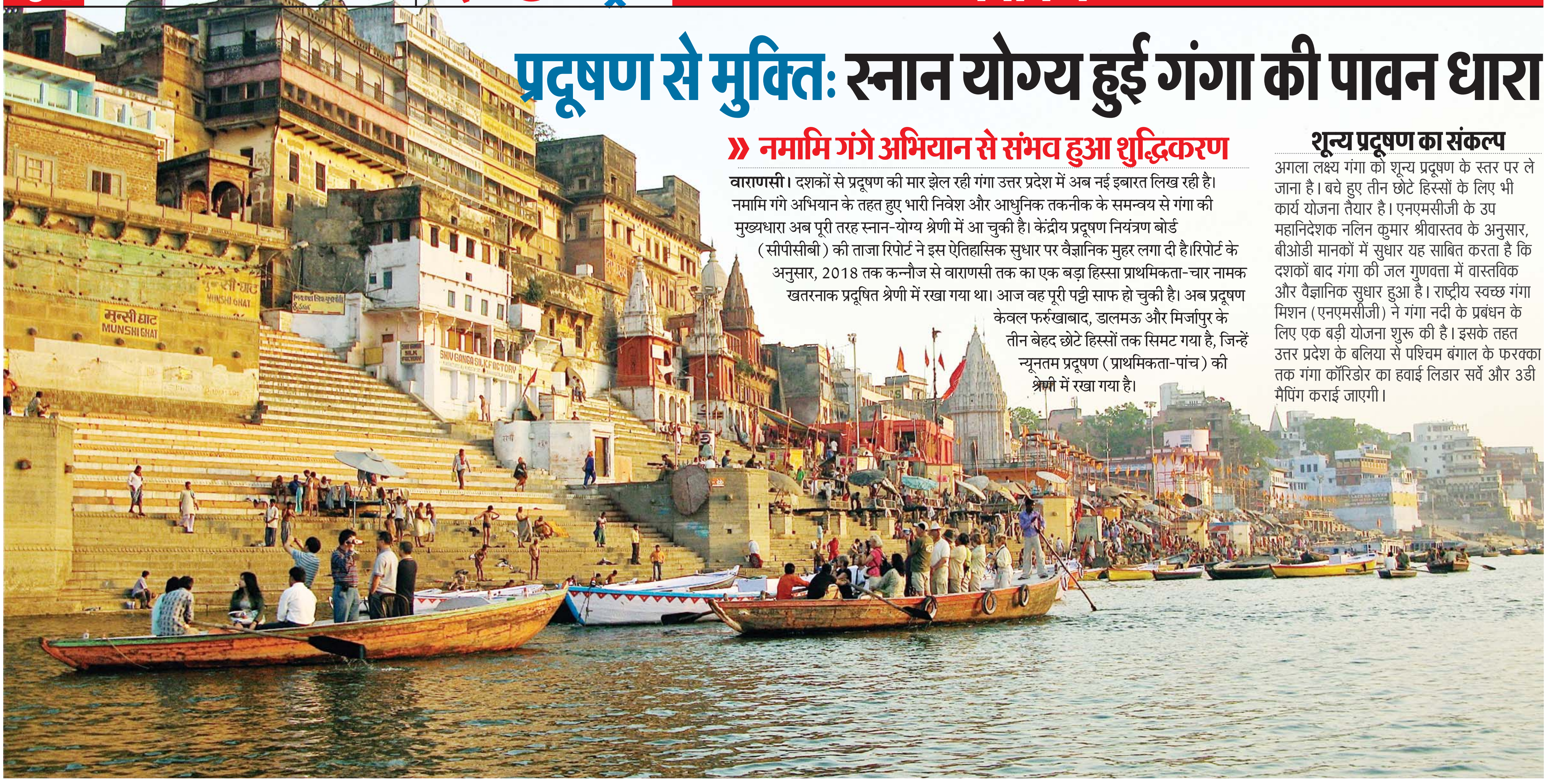

» नमामि गंगे अभियान से संभव हुआ शुद्धिकरण

वाराणसी। दशकों से प्रदूषण की मार झेल रही गंगा उत्तर प्रदेश में अब नई इबारत लिख रही है। नमामि गंगे अभियान के तहत हुए भारी निवेश और आधुनिक तकनीक के समन्वय से गंगा की मुख्यधारा अब पूरी तरह स्नान-योग्य श्रेणी में आ चुकी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की ताजा रिपोर्ट ने इस ऐतिहासिक सुधार पर वैज्ञानिक मुहर लगा दी है।रिपोर्ट के अनुसार, 2018 तक कन्नौज से वाराणसी तक का एक बड़ा हिस्सा प्राथमिकता-चार नामक खतरनाक प्रदूषित श्रेणी में रखा गया था। आज वह पूरी पट्टी साफ हो चुकी है। अब प्रदूषण केवल फर्रुखाबाद, डालमऊ और मिर्जापुर के तीन बेहद छोटे हिस्सों तक सिमट गया है, जिन्हें न्यूनतम प्रदूषण (प्राथमिकता-पांच) की श्रेणी में रखा गया है।

शून्य प्रदूषण का संकल्प

अगला लक्ष्य गंगा को शून्य प्रदूषण के स्तर पर ले जाना है। बचे हुए तीन छोटे हिस्सों के लिए भी कार्य योजना तैयार है। एनएमसीजी के उप महानिदेशक नलिन कुमार श्रीवास्तव के अनुसार, बीओडी मानकों में सुधार यह साबित करता है कि दशकों बाद गंगा की जल गुणवत्ता में वास्तविक और वैज्ञानिक सुधार हुआ है। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) ने गंगा नदी के प्रबंधन के लिए एक बड़ी योजना शुरू की है। इसके तहत उत्तर प्रदेश के बलिया से पश्चिम बंगाल के फरक्का तक गंगा कॉरिडोर का हवाई लिडार सर्वे और 3डी मैपिंग कराई जाएगी।

न्यूज विंडो

भूकंप से कांपा चीन, ढह गईं 13 इमारतें 7 हजार लोग सुरक्षित निकाले गए

लियूझोउ। चीन का दक्षिण-पश्चिमी इलाका सोमवार तड़के भूकंप के तेज झटकों से दहल उठा। चीनी प्रांत ग्वांग्शी के लियूझोउ शहर में आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.2 मापी गई है। इस प्राकृतिक आपदा में अब तक 2 लोगों की मौत होने की पुष्टि हुई है, जबकि एक व्यक्ति अभी भी लापता है। भूकंप के कारण इलाके में भारी नुकसान हुआ है। सरकारी मीडिया सीसीटीवी और समाचार एजेंसी 'सिन्हुआ' के अनुसार, भूकंप के चलते 13 इमारतें ढह गईं। मलबे में दबे लोगों की तलाश के लिए सर्च एंड रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने अब तक 7,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है।

अमेरिका की मस्जिद में ताबड़तोड़ फायरिंग, 3 लोगों की हत्या

सैन डिएगो। सैन डिएगो की एक मस्जिद में दो हमलावरों ने गोलीबारी की। दोनों हमलावरों ने तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद थोड़ी दूर जाकर दोनों हमलावरों ने खुद को भी मार डाला। जानकारी के मुताबिक दोनों हमलावर नाबालिग थे। सैन डिएगो पुलिस प्रमुख स्कॉट वाहल ने बताया कि सैन डिएगो के इस्लामिक सेंटर पर हुए इस हमले की जांच 'हेट क्राइम' के तौर पर की जा रही है। उन्होंने कहा कि 'जिन परिस्थितियों के चलते यह घटना हुई,' वे आने वाले दिनों में सामने आ जाएंगी।पुलिस प्रमुख वाहल ने बताया कि पुलिस अधिकारी दिन की शुरुआत में ही उन किशोरों में से एक की मां से बात कर रहे थे। मां ने सुबह करीब 9:40 बजे पुलिस से संपर्क करके बताया था कि उसका बेटा कई हथियारों और उसकी गाड़ी के साथ लापता है।

सतना आग हादसाः राइस मिल में जिंदा जला कर्मचारी, दूसरे की हालत गंभीर

सतना। सतना में औद्योगिक हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। सतना-अमरपाटन बाईपास स्थित सौरभ जैन की 'विद्या श्री तेल एवं राइस मिल' में अचानक लगी भीषण आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया। हादसे में मिल का एक कर्मचारी जिंदा जल गया, जबकि दूसरा गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने आक्रोश में सतना-अमरपाटन मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। इस दौरान प्रशासन और ग्रामीणों के बीच तीखी बहस और धक्का-मुक्की की स्थिति भी बन गई।जानकारी के मुताबिक, रात राइस ब्रान ऑयल मिल के भीतर अचानक आग लग गई। मिल में धान की भूसी यानी कना से तेल निकालने का कार्य किया जाता है। आग लगते ही मिल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते आग ने पूरी यूनिट को अपनी चपेट में ले लिया और आसमान में धुएं का गुबार उठने लगा। आसपास के लोगों ने जब ऊंची-ऊंची लपटें देखीं तो तत्काल पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग इतनी तेजी से फैली कि अंदर काम कर रहे कर्मचारियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला।

5 खाड़ी देशों को लगा तगड़ा झटका

अमेरिका ने तेल से छापे 4.81 लाख करोड़, रूस को भी बंपर मुनाफा

» पश्चिम एशिया में तनाव से कच्चे तेल व्यापार के बदल गए सारे समीकरण

वाशिंगटन, मास्को, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में लंबे समय से जारी तनाव ने दुनिया को एक गंभीर ऊर्जा संकट के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया है। कच्चे तेल और गैस के उत्पादन में भारी गिरावट आने और होर्मुज जैसा महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग बाधित होने की वजह से तेल और गैस के रेट बढ़ गए हैं. इस संकट ने कुछ देशों की किस्मत चमका दी है और उन्होंने आपदा को बड़े अवसर में बदल लिया है और मोटी कमाई कर रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ कई पारंपरिक तेल निर्यातक देशों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

इस पूरे ऊर्जा संकट का सबसे बड़ा फायदा अमेरिका को हुआ है। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल और ईंधन की कमी का फायदा उठाते हुए अमेरिकी कंपनियों ने जमकर मुनाफा कमाया है। अमेरिकी तेल कंपनियों ने इस दौरान करीब 14.50 करोड़ बैरल अतिरिक्त तेल की बिक्री की, जिससे देश को 4.81 लाख करोड़ की बंपर अतिरिक्त आय हुई है।अमेरिका लगातार बड़े पैमाने पर कच्चे तेल, डीजल और अन्य ईंधन का निर्यात बढ़ा रहा है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस संकट काल में रूस को भी बड़ा आर्थिक लाभ हुआ है। युद्ध और प्रतिबंधों के कारण रूस के कुल तेल निर्यात में 5.92 लाख बैरल की गिरावट जरूर आई, लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में बढ़ोतरी ने उसकी चांदी कर दी। युद्ध शुरू होने से पहले जिस रूसी तेल की कीमत महज .41 प्रति बैरल थी, वह .120 प्रति बैरल तक पहुंच गई. इस भारी मूल्य वृद्धि के कारण रूस ने तेल की मात्रा कम बेचने के बावजूद 1.44 लाख करोड़ का अतिरिक्त मुनाफा बटोरा है।

सऊदी अरब ने खूब छापे नोट

सऊदी अरब भी तेल के खेल में फायदे में है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर पूरी तरह निर्भर न होने और वैकल्पिक पाइपलाइनों के जरिए दूसरे बंदरगाहों से तेल भेजने की क्षमता के कारण सऊदी अरब नुकसान से बचा हुआ है। उसका तेल निर्यात करीब 15.20 करोड़ बैरल कम रहा, लेकिन महंगे तेल के कारण सऊदी अरब की आय में 88,538 करोड़ से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

इन देशों को हुआ भारी नुकसान

- **कुवैतः** तेल निर्यात में 15 करोड़ बैरल की भारी गिरावट के साथ कुवैत को सबसे बड़ा झटका लगा, जिससे उसे 96,238 करोड़ का नुकसान हुआ।
- **कतरः** कतर की करीब 60% आय गैस निर्यात पर टिकी है. इसके बावजूद 8.40 करोड़ बैरल की कमी के कारण उसे 55,818 करोड़ की राजस्व हानि उठानी पड़ी।
- **ओमानः** ओमान के तेल कारोबार में भी गिरावट देखी गई, जिससे उसकी आय 55,800 करोड़ घट गई।
- **ईरानः** संघर्ष के केंद्र में होने के कारण ईरान का तेल निर्यात 4.30 करोड़ बैरल घट गया और उसे 23,095 करोड़ का घाटा हुआ।
- **यूएई :** यूएई के निर्यात में 5.50 करोड़ बैरल की कमी आई, जिससे उसे 15,405 करोड़ का नुकसान उठाना पड़ा।

सैन्य ताकत होगी और मजबूत...

अमेरिका ने अपाचे हेलीकॉप्टर और एम-777 तोपों की सपोर्ट डील को दी मंजूरी

वॉशिंगटन, एजेंसी

भारत और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग लगातार मजबूत होता जा रहा है। इसी कड़ी में अमेरिका ने भारत को अपाचे हेलीकॉप्टर और एम777 अल्ट्रा-लाइट हॉवित्जर तोपों के लिए सपोर्ट सर्विस और संबंधित उपकरणों की संभावित बिक्री को मंजूरी दे दी है। अमेरिकी विदेश विभाग ने इस फैसले की आधिकारिक जानकारी दी। अमेरिका के अनुसार, अपाचे हेलीकॉप्टरों के लिए सपोर्ट सर्विस डील की अनुमानित कीमत करीब 198.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर है। वहीं एम 777अल्ट्रा-लाइट हॉवित्जर के लिए लॉन्ग-टर्म सपोर्ट डील लगभग 230 मिलियन अमेरिकी डॉलर की हो सकती है।

इन कंपनियों को मिलेगा कॉन्ट्रैक्ट

अपाचे हेलीकॉप्टर सपोर्ट डील के लिए प्रमुख कंपनियां बोइंग कंपनी और लॉकहीड मार्टिन होंगी। वहीं एम777 हॉवित्जर सपोर्ट प्रोग्राम के लिए ब्रिटेन की रक्षा कंपनी बीएई सिस्टम्स को मुख्य ठेकेदार बनाया गया है।

प्रोग्राम सपोर्ट भी इस डील का हिस्सा होंगे

अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक भारत ने एएच-64ई अपाचे हेलीकॉप्टरों के लिए इंजीनियरिंग, टेक्निकल और लॉजिस्टिक सपोर्ट सेवाओं की मांग की थी। इसके अलावा तकनीकी डेटा, पब्लिकेशन, सैनिकों की ट्रेनिंग और अन्य प्रोग्राम सपोर्ट भी इस डील का हिस्सा होंगे। वहीं एम777ए-2 हॉवित्जर के लिए स्पेयर पार्ट्स, रिपेयर, ट्रेनिंग, टेक्निकल सहायता, फील्ड सर्विस प्रतिनिधि और लॉजिस्टिक सपोर्ट जैसी सुविधाएं शामिल रहेंगी। यह संभावित रक्षा सौदा अमेरिका के फॉरेन मिलिट्री सेल चैनल के तहत किया जाएगा।

दरभंगा में पति ने डंडे से पीटकर पत्नी और 3 बच्चों को उतारा मौत के घाट

दरभंगा। दरभंगा के पतोर थाना क्षेत्र के चंदनपट्टी में एक सनकी युवक ने घरेलू विवाद में पत्नी सहित तीन बच्चों की हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित युवक ने स्वयं को भी जख्मी कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल एक बच्चे को गंभीर स्थिति में जिंदा पाया। जिसे डीएमसीएच में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के क्रम में उसने भी दम तोड़ दिया। वहीं आरोपि युवक को डीएमसीएच में भर्ती कराया। पुलिस ने महिला सहित चार शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करने की प्रक्रिया शुरू कर दी

है। घटना सुबह सात बजे की बताई जा रही है। मृत महिला की पहचान पश्चिम बंगाल के दालकोला जिला के कुंडी थाना क्षेत्र के संदीप दास की पत्नी फूल कुमारी दास (30), उनके पुत्र हृदय दास (7) और संध्या दास (6) और सोन दास(5) के तौर पर हुई है।

मस्क को झटका, ओपन एआई के खिलाफ मुकदमा हारे

कैलिफोर्निया, एजेंसी

अमेरिका के कैलिफोर्निया में संघीय अदालत ने OpenAI और उसके शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ एलन मस्क की ओर से दायर दावों को खारिज कर दिया। नौ सदस्यों वाली जूरी ने पाया कि मस्क ने अपना मुकदमा दायर करने में बहुत ज्यादा देर कर दी और वे स्टैच्यूट ऑफ लिमिटेशन्स (मुकदमा दायर करने की समय सीमा) की समय सीमा चूक गए।

हालांकि, जूरी ने सिर्फ एक सलाहकार की भूमिका निभाई, न्यायाधीश यवोन गोंजालेज रोजर्स ने सोमवार को इस फैसले को अदालत का अपना फैसला मानते हुए स्वीकार कर लिया और मस्क के दावों को खारिज कर दिया। जूरी ने अपना फैसला सुनाने से पहले केवल दो घंटे तक विचार-विमर्श किया था।

मालूम हो कि, मस्क ने OpenAI के छ्श्वह्र सैम ऑल्टमैन और उनके शीर्ष सहयोगी पर धोखा देने का आरोप लगाया था। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क, OpenAI के सह-संस्थापक है। यह कंपनी 2015 में शुरू हुई थी और बाद में इसने ChatGPT बनाया। शुरुआती सालों में इसमें 38 मिलियन डॉलर का निवेश किया गया था।कैलिफोर्निया के ओकलैंड में 27 अप्रैल को शुरू हुए इस मुकदमे ने सिलिकॉन वैली के इन दो दिग्गजों के बीच की कड़वी अनबन और OpenAI की शुरुआत पर रोशनी डाली। OpenAI अब 852 अरब डॉलर की अनुमानित कीमत वाली कंपनी बन चुकी है और इतिहास के सबसे बड़े 'इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग' में से एक की ओर बढ़ रही है।

मेट्रो एंकर | सरकार की सफाई, अनुमान के मुताबिक देश के घरों और मंदिरों में करीब 50 हजार टन सोना

युद्ध के बीच मंदिरों का सोना बेचने की खबर अफवाह...

नई दिल्ली, एजेंसी

एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय घरों और मंदिरों में करीब 50,000 टन सोना है जिसकी कीमत करीब 10,000 अरब डॉलर है। इस बीच कुछ मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पोस्ट्स में दावा किया गया है कि सरकार मंदिरों में रखे गए सोने के बदले उन्हें गोल्ड बॉन्ड जारी करने की योजना बना रही है। साथ ही यह भी दावा किया जा रहा है कि मंदिरों में रखे सोने के मोनेटाइजेशन से जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। लेकिन सरकार ने इन दावों को फर्जी और गुमराह करने वाला बताया है।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय की तरफ से जारी एक बयान में कहा कि इस तरह की अफवाहें फैलाई जा रही है कि सरकार मंदिर ट्रस्टों या धार्मिक संस्थानों के पास मौजूद सोने के लिए मोनेटाइजेशन स्कीम ला रही है। इनमें कोई सच्चाई नहीं हैं। ये निराधार और गुमराह करने वाली हैं। सरकार ने साथ ही साफ किया है कि मंदिरों के स्तंभों, दरवाजों या किसी अन्य ढांचे पर मढ़े गए सोने को स्ट्रैटजिक गोल्ड रिजर्व घोषित करने के दावे भी झूठे हैं और इनका कोई आधार नहीं है।

सरकार ने कहा- केवल आधिकारिक बयानों पर भरोसा करें

बयान में लोगों से अनुरोध किया गया है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें। इस तरह की अपुष्ट खबरों से लोगों में भ्रम पैदा होता है। सरकार ने सभी लोगों से अनुरोध किया है कि वे केवल आधिकारिक बयानों पर भरोसा करें। सरकार की तरफ से लिए जाने वाले किसी भी फैसले या स्कीम की जानकारी आधिकारिक प्रेस रिलीज, सरकारी वेबसाइट और वेरिफाइड पब्लिक कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म्स पर साझा किया जाता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान युद्ध के मद्देनजर देशवासियों से पेट्रोल-डीजल और खाने के तेल की खपत कम करने, एक साल तक सोना नहीं खरीदने, रासायनिक खाद का प्रयोग कम करने और विदेश यात्रा से परहेज करने की अपील की थी। इससे विदेशी मुद्रा बचेगी और चालू खाते का घाटा कम होगा। इससे रुपये पर भी दबाव कम होगा। इस साल रुपये की कीमत में भारी गिरावट आई है।

भारत दुनिया में सोने का दूसरा बड़ा उपभोक्ता

चीन के बाद भारत दुनिया में सोने का दूसरा बड़ा उपभोक्ता है। पिछले साल भारत ने 72 अरब डॉलर का सोना आयात किया था जो । 2024-25 की तुलना में सोने का आयात 24 फीसदी बढ़ गया। सरकार ने इसे हतोत्साहित करने के लिए हाल में सोने और चांदी पर आयात शुल्क 6 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564